# प्रश्नपत्र प्रारुपम्
## सम्प्रेषणात्मकं संस्कृतम्
## कक्षा दशमी ( X )
## 2010

समयः होरात्रयम् पूर्णांकः १००

| खण्डः | खण्डनाम | प्रश्न | उद्देश्यम् | प्रश्नप्रकारः | अंकसंकेत | अंकविभागः | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क ) | अपिठत-अवबोधनम् | 1 | तथ्यबोधपरीक्षणम् | अनुच्छेदद्वयम् **<u>लधु-अनुच्छेदः</u>** | | | |
| | | | | i) अतिलघूत्तरः | ½ x 4=2 | 2 | |
| | | | | ii) लघूत्तरः | 1 x 1=1 | 1 | |
| | | | | iii) अतिलघूत्तरः | ½ x 4=2 | 2 | |
| | | 2 | अवबोधनम् | **<u>दीर्घ अनुच्छेदः</u>** | | | |
| | | | | i) अतिलघूत्तरः | ½ x 4=2 | 2 | |
| | | | | ii) लघूत्तरः | 2 x 2=4 | 4 | |
| | | | भाषिककार्यम् | iii) अतिलघूत्तरः | ½ x 4=2 | 2 | |
| | | | शीर्षकप्रदानम् | iv) लघूत्तरः | 1 x 2=2 | 2 | 15 |
| ख ) | रचनात्मकलेखनम् | 3 | पत्र लेखनम् | निबन्धात्मकः | ½ x 10=5 | 5 | |
| | | 4 | संवादलेखनम् | निबन्धात्मकः | ½ x 10=5 | 5 | |
| | | 5 | चित्र-वर्णनम् | निबन्धात्मकः | 2 x 5=10 | 10 | |
| | | | अथवा | | | | |
| | | | अनुच्छेदलेखनम् | निबन्धात्मकः | 2 x 5=10 | | 20 |
| ग ) | अनुप्रयुक्तव्याकरणम् | 6 | सन्धिज्ञानम् | अतिलघूत्तरः | 1 x 3=3 | 3 | |
| | | 7 | समसनं/विग्रहकरणम् | अतिलघूत्तरः | 1 x 4=4 | 4 | |
| | | 8 | प्रकृतिप्रत्यययोगः | लघूत्तरः | 1 x 5=5 | 5 | |
| | | 9 | अव्ययप्रयोगः | लघूत्तरः | 1 x 5=5 | 5 | |
| | | 10 | वाच्यपरिवर्तनम् | लघूत्तरः | 1 x 3=3 | 3 | |
| | | 11 | समय-बोधः | लघूत्तरः | 1 x 4=4 | 4 | |
| | | 12 | संख्याबोधः | लघूत्तरः | ½ x 4=2 | 2 | |
| | | 13 | बाक्यसंशोधनम् | लघूत्तरः | 1 x 4=4 | 4 | 30 |
| घ ) | पठित-अवबोधनम् | 14 | गद्यांश-पद्यांश | i) अतिलघूत्तरः | 2 x 3 = 6 | | |
| | | | नाट्यांशतथ्यबोधः | ii) लघूत्तरः | 1 x 3 = 3 | 15 | 15 |
| | | | भाषिककार्यम् | iii) अतिलघूत्तरः | 2 x 3 = 6 | | |
| | | 15 | भावार्थबोधः | लघूत्तरः | (1 x 3) x 2=6 | 6 | |
| | | 16 | अन्वयबोधः | लघूत्तरः | (½ x 3) x 2=3 | 3 | |
| | | 17 | प्रश्ननिर्माणकौशल-परीक्षणम् | लघूत्तरः | 1 x 4=4 | 4 | |
| | | 18 | घटनाक्रमसंयोजनम् | निबन्धात्मकः | ½ x 8=4 | 4 | |
| | | 19 | शब्दार्थबोधः | अतिलघूत्तरः | 1x 3=3 | 3 | 35 |

# आदर्शसंस्कृतप्रश्नपत्रम् १

## कक्षा–दशमी

**अवधि : होरात्रयम्** | **पूर्णाङ्काः १००**

**Time allowed : 3 hours** | **Maximum Marks: 100**

**निर्धारित समय : ३ घण्टे** | **अधिकतम अंक १००**

खण्ड 'क' : अपठितांश–अवबोधनम्/अपठितांश अवबोधन — 15 अङ्काः
Section A : Unseen Reading Comprehension

खण्ड 'ख' : रचनात्मक–कार्यम्/रचनात्मक कार्य — 20 अङ्काः
Section B : Writing Skills

खण्ड 'ग' : अनुप्रयुक्त–व्याकरणम्/अनुप्रयुक्त व्याकरण — 30 अङ्काः
Section C : Applied Grammar

खण्ड 'घ' : पठित–अवबोधनम्/पठित–अवबोधन — 35 अङ्काः
Section D : Reading Comprehension

**निर्देशाः**

**निर्देश :**

**Instructions:**

1. अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति।
   इस प्रश्नपत्र में चार खण्ड हैं।
   The question paper has four sections.

2. प्रत्येकं खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।
   प्रत्येक खण्ड के उत्तर एक ही जगह पर क्रम से लिखने होंगे।
   The answers to each section must be written at one place.

3. प्रतिखण्डम् उत्तराणि पृथक् प्रदत्तायाम् उत्तरपुस्तिकायां लेखनीयानि।
   प्रत्येक खण्ड के उत्तर पृथक् दी गई उत्तरपुस्तिका में ही लिखने हैं।
   The answers have to be written in a separate answer sheet.

4. प्रश्नपत्रे उत्तराणि न लेखनीयानि।
   प्रश्नपत्र पर उत्तर न लिखें।
   Don't write answers in the question paper.

5. प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।
   प्रश्नपत्र के अनुसार प्रश्नसंख्या अवश्य ही लिखनी होगी।
   Please write the question no. according to the question paper.

6. सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लेखनीयानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए।
   Answer all the questions in Sanskrit.

## खण्ड : क Section A   15 अङ्काः

### अपठितांश-अवबोधनम् ( अपठितांश-अवबोधन )

### Unseen Reading Comprehension

<table>
<tr><th>प्र.सं.</th><th>प्रश्न</th><th></th><th>अंक</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>अधोलिखित-अनुच्छेदद्वयं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नान् पृथक्-प्रदत्तायाम् उत्तरपुस्तिकायाम् उत्तरत –<br><br>निम्नलिखित दोनों अनुच्छेदों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर पृथक् दी गई उत्तरपुस्तिका में लिखिए –<br><br>Read the following two passages and answer the questions in the given answer sheet.<br><br>प्रथमः अनुच्छेदः<br><br>को न जानाति कवीन्द्ररवीन्द्रस्य नाम। सः न केवलं बङ्गप्रदेशस्य अपितु विश्वस्य प्रसिद्धः कविः। अनेन विरचितम् ‘गीताञ्जलिः’ इति कवितासङ्ग्रहः अतिप्रसिद्धः। अस्य कवितासङ्ग्रहस्य कृते एव कविरेषः परमसम्मानितं नोबेलपुरस्कारं प्राप्तवान्। अस्माकं राष्ट्रियगीतस्य ‘जन-गण-मन.....’ इत्यस्य रचयिता अपि रवीन्द्रः एव। महापुरुषोऽयं विश्वभारतीनामकं विश्वविद्यालयम् अपि अस्थापयत्। एतादृशाणां महापुरुषाणां जन्मदात्री भारतभूमिः वस्तुतः धन्या एव।<br><br>प्रश्नाः</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>I</td><td>एकपदेन उत्तरत<br>एक शब्द में उत्तर दीजिए<br>Answer in one word only.<br><br>(i) कविरवीन्द्रः कस्य प्रदेशस्य कविः?<br><br>(ii) ‘गीताञ्जलिः’ केन विरचिता?</td><td>½×2</td><td>1</td></tr>
<tr><td>II</td><td>पूर्णवाक्येन उत्तरत<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए<br>Answer in complete sentence.<br><br>(i) का वस्तुतः धन्या एव?<br><br>(ii) कविरवीन्द्रः किमर्थं नोबेलपुरस्कारं प्राप्तवान्?</td><td>1×2</td><td>2</td></tr>
<tr><td>III</td><td>निर्देशानुसारम् उत्तरत<br>निर्देश के अनुसार उत्तर लिखें<br>Do as directed<br><br>(i) ‘प्राप्तवान्’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत</td><td>½×4</td><td>2</td></tr>
</table>

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| | (ii) 'कवितासङ्ग्रहः अतिप्रसिद्धः' अत्र विशेषणपदं किम्? | | |
| | (iii) 'अप्रसिद्धः' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत। | | |
| | (iv) 'स्थापितवान्' इत्यर्थे अनुच्छेदे किं पदं प्रयुक्तम्? | | |
| 2 | **द्वितीयः अनुच्छेदः** | | 10 |
| | बसयानेषु आवागमनं दिनानुदिनं यातनाप्रदम् एव परिकल्पते। अद्यत्वे निजीबसयानेषु चालकाः यात्रिभ्यः आरोहणं तु अतिथिवत् श्रद्धया कारयन्ति, यत्र तत्र बसयानम् अवरुध्य गन्तारम्, अगन्तारं वा आरोहणाय आह्वयन्ति, 'अतिथिदेवो भव' इति भारतीयपरम्परां सम्यक् पालयन्ति। यात्रिणः स्वकार्यस्थलं प्रति विलम्बिताः भवन्ति, भवन्तु चेत् परं तेषां अधिकाधिकानि यात्रापत्राणि तु विक्रीतानि स्युः एव इत्येतत् तेषां मनसि वर्तते। एकवारं जनानाम् बसयाने प्रविष्टे सति तेषाम् औदार्यं माधुर्यं च न जाने कुत्र याति। यात्रिणाम् अवतरणसमये तु विशेषतः एतावतीं शीघ्रतां प्रदर्शयन्ति येन प्रायशः दुर्घटनाः अपि भवन्ति। तस्मात् एतेषु बसयानेषु यात्रा महत्या सावधानतया कर्तव्या। अस्माभिः सदैव स्मरणीयं यत् सावधानता दुर्घटनातः श्रेयस्करी। | | |
| | **प्रश्नाः** | | |
| I | **एकपदेन उत्तरत**<br>एक शब्द में उत्तर लिखिए<br>Answer in one word only.<br>(i) यात्रिणः कं प्रति विलम्बिताः भवन्ति?<br>(ii) चालकाः यात्रिभ्यः आरोहणं कथं कारयन्ति?<br>(iii) का श्रेयस्करी?<br>(iv) यात्रिणाम् अवतरणसमये प्रायशः कां प्रदर्शयन्ति? | ½×4 | 2 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत**<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखिये<br>Answer in a complete sentence.<br>(i) बसयानेषु चालकाः किं सम्यक् परिपालयन्ति?<br>(ii) चालकानां मनसि किं वर्तते? | 2×2 | 4 |
| III | **निर्देशानुसारम् उत्तरत**<br>निर्देश के अनुसार उत्तर दें<br>Do as directed<br>(i) 'कष्टदायकम्' इति पदस्य समानार्थकं पदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत। | ½×4 | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (ii) 'विलम्बिता: भवन्ति' अत्र भवन्ति इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत।<br>(iii) 'एतावतीं शीघ्रताम्' अत्र विशेषणपदं किम्?<br>(iv) 'आरोहणसमये' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत। | |
| IV | अस्य अनुच्छेदस्य कृते समुचितं शीर्षकं लिखत।<br>इस अनुच्छेद का समुचित शीर्षक लिखिए।<br>Write a suitable title for this passage. | 2 |

## खण्डः ख

## Section B

20 अङ्काः

### रचनात्मकं कार्यम्

### रचनात्मक कार्य

### Writing Skill

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 3. | **पत्रलेखनम्**<br><br>**भवान् प्रणवः। स्वमित्रं वसन्तं पशुपक्षिभिः सह क्रूरव्यवहारात् निषेधयितुं लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदत्तपदैः पूरयत** ½×10<br>आप प्रणव हैं। अपने मित्र वसन्त को पशु–पक्षियों के साथ क्रूर व्यवहार हेतु मना करते हुए लिखित पत्र को मञ्जूषा में दिए गए पदों के माध्यम से पूर्ण करें।<br><br>You are Pranav. Fill in the blanks with the help of given words for this letter, written to your friend Vasant requesting him not to indulge in cruelty towards birds and animals.<br><br>10/28 जयपुरनगरम्<br>(i)......................<br>तिथिः .........................<br><br>प्रियमित्र (ii).......................<br><br>सस्नेहम् नमस्ते।<br><br>त्वया लिखितं पत्रम् इदानीमेव मया प्राप्तम्। एतत् (iii).......................चाऽहम् अतीव प्रसन्नः यत् त्वया वार्षिकक्रीडा–समारोहे शूटिंगप्रतिस्पर्धायां (iv).......................प्राप्तम्। मम हार्दिकं वर्धापनं स्वीकरोतु परं सार्धमेव मम एकं निवेदनम् अप्यस्ति यत् स्वाभिरुचेः पूरणार्थं वराकेभ्यः (v).......................जीवनाधिकारः तु नैव हर्तव्यः। क्षणं विचारय मित्र! यदेतैः पशुपक्षिभिः कः अपराधः कृतः? एते तु सर्वदैव प्रकृतेः (vi)....................... वर्धयन्ति। मयूरस्य नृत्यम्, पिकस्य गायनम्, शुकस्य (vii)......................., कपोतानाम् उड्डयनं, मृगाणां मनोहारिणी गतिश्च कस्य मनः न आनन्दयति। यदि सर्वे एव स्वाभिरुचिं पूरयितुम् एतेषां वधं करिष्यन्ति तर्हि एते तु (viii).......................दुर्लभाः भविष्यन्ति। अतः कृपया मम निवेदनम् अन्यथा न ग्राह्यम् अपितु अस्मिन् विषये चिन्तयितव्यम्। गृहे सर्वेभ्यः यथायोग्यम् अभिवादनम्।<br><br>तव (ix)...................... मित्रम्<br>(x)..........................................<br><br>पशुपक्षिभ्यः, अभिन्नम्, प्रथमस्थानम्, राजस्थानप्रदेशः, सम्भाषणम्, प्रणवः, ज्ञात्वा, शोभाम्, वसन्त, जन्तुशालायामपि। | 5 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 4. | कथालेखनम्<br>**प्रदत्तशब्दसूचीसाहाय्येन अधोदत्तां लघुकथां पूरयित्वा उत्तराणि उत्तरपुस्तिकायां लिखता** ½×10<br>मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की सहायता से नीचे दी गई लघुकथा को भरकर उत्तरपुस्तिका में केवल उत्तर लिखें<br>Fill in the blanks in the following story and write the answers only in the answer sheet with the help of given words.<br>एकदा आकाशवाणी जाता यत् पञ्चवर्षाणि यावत् वर्षा न भविष्यति। एतच्छ्रुत्वा (i)......................विचलिताः जाताः। वर्षां विना कार्यं कर्तुम् अशक्याः वयम् इति (ii)...................... प्रायशः सर्वैः कृषकैः कार्यं त्यक्तम् परन्तु एकः कृषकः स्वक्षेत्रं गत्वा प्रतिदिनं कृषिकार्यं करोति स्म। तं (iii)...................... कुर्वन्तं दृष्ट्वा मेघमाला विस्मयेन उपेक्षया चाकथयत्-मूर्ख! किं त्वया (iv)...................... न श्रुता। यदा वर्षा एव न भविष्यति (v)...................... चेत् तदा किमर्थं वृथा श्रमं करोषि। स्मितमानः कृषकः अवदत् –'मूर्खो नास्मि, न आकाशवाण्यापरिचितः; कार्यं तु मया एतदर्थं क्रियते यत् पञ्चवर्षाणां (vi)...................... सुदीर्घः। कार्यं चेत् न करिष्यामि तर्हि अलसतया विस्मृतिवशाच्च (vii)...................... तु कार्यकरणे एवासमर्थः भविष्यामि तदा संभूयमानायाः अपि (viii)...................... न कश्चिद् लाभः भविष्यति मत्कृते। कृषकस्य एतां वार्तां श्रुत्वा (ix)...................... अचिन्तयत् यन्मया चेत् पञ्चवर्षेषु वर्षणं विस्मृतम् ................? इति विचार्य सा तत्क्षणमेव जलम् अवर्षत्। अतः सत्यमेव उक्तं यत् मनुष्येण स्वकर्मणा (x)...................... स्वनियतिः निर्मीयते।<br>मञ्जूषा<br>कालः, चिन्तयित्वा, मेघमाला, भविष्ये, एव, वर्षायाः, कृषकाः, आकाशवाणी, कार्यम्, पञ्चवर्षाणि। | 5 |
| 5. | चित्रवर्णनम्<br>अधः दत्तं चित्रम् आधृत्य मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दसहायतया पञ्चवाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत 2×5<br>नीचे दिये गये चित्र पर आधारित पांच वाक्य प्रदत्त शब्दों की सहायता से संस्कृत भाषा में लिखिए।<br>Describe the following picture in five sanskrit sentences with the help of words given in the box:<br> | 10 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | **मञ्जूषा**<br>गृञ्जनम्, पलाण्डु:, करण्डकम्, जना:, विक्रेतार:, क्रीणान्ति, क्रेतार:, मूल्यं पृच्छन्ति, जनसम्मर्द:, मरीचिकम्, शाक-आपणस्य दृश्यम्।<br>अथवा<br>'शाक-आपणस्य वर्णनम्' इति विषयम् अधिकृत्य संस्कृतेन पञ्चवाक्यानि लिखत। सहायतायै मञ्जूषा दत्ता। 2×5<br>'शाक-आपणस्य वर्णनम्' इस विषय पर संस्कृत में पाँच वाक्य लिखिए। सहायता के लिए मञ्जूषा दी गई है।<br>Write five sentences in Sanskrit on 'शाक-आपणस्य वर्णनम्' you can take help from the words given in the box.<br>**मञ्जूषा**<br>विविधाः शाकाः - पलाण्डु:, आलुकम्, कारवेल्लम्, भिण्डि:, हरीति, मरीचिकम्, वृन्ताकः गृञ्जनम् इत्यादयः क्रेतार, विक्रेतार:, जनानाम् सम्मर्द:, कोलाहलम्, उच्चैः आह्वयन्ति, पङ्किला भूमि:, इतस्ततः अस्वच्छता | 10 |

खण्ड : 'ग' Section C 30 अङ्काः

अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्

अनुप्रयुक्त व्याकरण

Applied Grammar

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 6. | अधोलिखितेषु वाक्येषु रेखाकिंत पदानां सन्धिं/सन्धिविच्छेदं कृत्वा पुनः पूर्णवाक्यं लिखत 1×3<br>नीचे लिखे वाक्यों में रेखाकिंत पदों में सन्धि/सन्धिविच्छेद करके वाक्य पुनः लिखें<br>Join/Disjoin sandhi's in the underlined words and rewrite the sentence.<br>(i) वने + अस्मिन् पशवः निर्भयाः विचरन्ति।<br>(ii) अश्वत्थामा अपि तत् + शिक्षया वञ्चितः न कृतः।<br>(iii) मम अर्थिनस्तु धनलाभमात्रेण सन्तोषं भजन्ते। | 3 |
| 7. | अधोलिखितेषु वाक्येषु रेखाकिंतपदानां विग्रहं / समासं वा कृत्वा उत्तरपुस्तिकायां लिखत 1×4<br>नीचे लिखे वाक्यों में रेखाकिंतपदों में विग्रह/समास करके उत्तरपुस्तिका में लिखें<br>Join/Disjoin compounds in underlined typed words in the following sentences and rewrite them<br>(i) यथाशक्ति कार्यं कुरु।<br>(ii) सूपकारः पाचकः अपि कथ्यते।<br>(iii) सः सप्तानाम् अह्नां समाहारे कार्यं समापयिष्यति।<br>(iv) विचित्रः स्वप्नः मया दृष्टः। | 4<br>4 |
| 8. | अधोलिखितेषु वाक्येषु कोष्ठकान्तर्गतानां पदानां प्रकृतिप्रत्ययं विभज्य/योजयित्वा पुनः लिखत। 1×5<br>नीचे लिखे गये वाक्यों में कोष्ठक के अन्तर्गत पदों का प्रकृतिप्रत्यय विभाजन/संयोग करके पुनः लिखिए।<br>Rewrite the following words by adding/disjoining suffixes to the roots/words given in the bracket.<br>(i) सः नाटकं (वीक्षमाणः) प्रसन्नः भवति।<br>(ii) केरलप्रदेशे अनेकानि (इतिहास+ठक्) स्थानानि सन्ति।<br>(iii) (पठ्+तव्यत्) पुस्तकं कुत्र अस्ति?<br>(iv) वाक्पटुः (मन्त्र+इन्) परैः न परिभूयते।<br>(v) (रमणीया) हि एषा प्रकृतिः। | 5 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 9. | **अधोलिखितेषु वाक्येषु उचित-अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत** 1x5<br>(अव्ययानां सूची अधः प्रदत्ता)<br>निम्नलिखित वाक्यों में उचित अव्यय पदों से रिक्तस्थान की पूर्ति करके पुनः लिखिए<br>(अव्ययों की सूची नीचे दी गई है)<br>Rewrite the following sentences after filling in the blanks with suitable indeclinables.<br>(List of words is given below)<br>(i) यथा अवक्रता चित्ते .................... वाचि भवेत<br>(ii) मार्गे अवकरं .................... क्षिप।<br>(iii) यावत् परोपकारः क्रियते ..................शरीरस्य सदुपयोगः।<br>(iv) .................... रविवासरः आसीत्<br>(v) .................... मंगलवासरः भविष्यति।<br>**मञ्जूषा**<br>मा, तावत्, श्वः, तथा, ह्यः | 5 |
| 10. | **अधोलिखिते संवादे वाच्यानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयत** 1×3<br>अधोलिखित संवाद में वाच्यानुसार रिक्तस्थान पूर्ति कीजिए<br>Fill in the blanks in the following dialogue and write the answers in the answersheet only:<br>रुचिः – महिलाः (i).................. आनयन्ति।<br>शुचिः – ताभिः जलं कुतः (ii)..................?<br>रुचिः – ताः जलं कूपात् आनयन्ति।<br>शुचिः – ततः ताः किं करिष्यन्ति?<br>रुचिः – ततः (iii).................. भोजनं पच्यते। | 3 |
| 11. | **दिल्लीतः प्रस्थिता शताब्दी एक्सप्रेस कदा कुत्र प्राप्नोति इति एतां समयसारिणीं समुचितसमयेन पूरयत** 1×4<br>दिल्ली से प्रस्थान करने वाली शताब्दी एक्सप्रेस कब, कहाँ पहुँचती है, समयसारिणी के अनुसार लिखें<br>Indicate the time as shown in the following schedule in sanskrit words in the answersheet. | 4 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (i) शताब्दी एक्सप्रेस प्रातः (6.15) वादने दिल्लीतः भोपालनगरं प्रति गच्छति।<br>(ii) प्रातः (7.30) आगरानगरं प्राप्नोति।<br>(iii) प्रातः (10.00) ग्वालियर इति स्थाने भवति।<br>(iv) (11.45) वादने भोपालनगरं प्राप्नोति। | |
| 12. | **अधोलिखितानि वाक्यानि (अङ्कानां स्थाने) संस्कृतसंख्याविशेषणैः पूरयित्वा पुनः लिखत** ½×4<br>अधोलिखित वाक्यों को अङ्कों के स्थान पर संस्कृतसंख्यावाचक विशेषणों द्वारा पूरा करके पुनः लिखिए<br>Write numerical Sanskrit adjectives in place of figures in the following sentences.<br>प्रातः काले भ्रमणाय अहं वाटिकां गच्छामि। तत्र (4) आम्रवृक्षाः सन्ति। जम्बूफलवृक्षाणां (6) वृक्षाः तथा च (11) निम्बवृक्षाः मध्ये च विशालः (1) पिप्पलः शोभते। | 2 |
| 13. | **द्वयोः मित्रयोः मध्ये वार्तालापे काश्चन अशुद्धयः अभवन्। तासां संशोधनं कृत्वा वाक्यानि पुनः लिखत –** 1×4<br>दो मित्रों के वार्तालाप में कुछ अशुद्धियाँ हो गई हैं। उन्हें संशोधित करके वाक्य पुनः लिखिए<br>Correct the following sentences and re-write them in the answer sheet.<br>अरुणः ह्यः विद्यालये एकादश–द्वादश कक्षयोः मध्ये क्रिकेटप्रतियोगिता भविष्यति। किं त्वम् दृष्टा<br>वरुणः आम्, आम् अहम् अपि तां प्रतियोगिताम् अपश्यत्।<br>अरुणः तत्र क्षेत्ररक्षणे अनेके न्यूनताः आसन्।<br>वरुणः अरुण! एकादश कक्षायाः क्रीडकाः दत्तावधानः न आसन्। | 4 |

## खण्ड : घ (Section D) 35 अङ्काः

## पठित अवबोधनम् ( पठित अवबोधन )

## Reading Comprehension

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| 14. | **अधोलिखितं गद्यांशं, पद्यांशं, नाट्यांशं च पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तरपुस्तिकायां लिखत**<br>निम्नलिखित गद्यांश, पद्यांश तथा नाट्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखिए<br>Read the following prose, poetry and drama passages and answer the given questions in the answer sheet. | | |
| (अ) | तस्य वचनम् अश्रद्धेयं मत्वा मदोद्धताः कपयः प्रहस्य अवदन् – 'भो! किमिदम् उच्यते? न वयं स्वर्गसमानोपभोगान् विहाय अटव्यां क्षार-तिक्त-कषाय-कटु-रूक्षफलानि भक्षयिष्यामः।' एतच्छ्रुत्वा साश्रुनयनो यूथपतिः सगद्गदम् उक्तवान्-'रसनास्वादलुब्धाः यूयम् अस्य सुखस्य कुपरिणामं न जानीथ। अहं तु वनं गच्छामि।'<br>अथ अन्यस्मिन् अहनि स मेषो यावत् महानसं प्रविशति तावत् सूपकारेण अर्धज्वलितकाष्ठेन ताडितः। ऊर्णाप्रचुरः मेषः वह्निना जाज्वल्यमानशरीरः निकटस्थाम् अश्वशालां प्रविशति दाहवेदनया च भूमौ लुठति। तस्य क्षितौ प्रलुठतः तृणेषु वह्निज्वालाः समुत्थिताः।<br>**प्रश्नाः** | | |
| I | **एकपदेन उत्तरत।**<br>एक शब्द में उत्तर दीजिए<br>Answer in one word.<br>I. सूपकारेण मेषः केन ताडितः?<br>II. वानराः कीदृशान् उपभोगान् परित्यज्य वनं गन्तुं न इच्छन्ति स्म? | ½×2 | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत।**<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।<br>Answer in a complete sentence.<br>I. अटव्यां कीदृशानि फलानि प्राप्यन्ते?<br>II. तृणेषु वह्निज्वालाः कथं समुत्थिताः? | 1×2 | 2 |
| III | **यथानिर्देशम् उत्तरत।**<br>यथानिर्देश उत्तर दें।<br>Answer as directed. | ½×4 | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (i) वह्निना जाज्वल्यमानः शरीरः इत्यत्र विशेषणपदं किम्?<br>(ii) 'भूमौ' इति पदस्य किं पर्यायपदं गद्यांशे प्रयुक्तम्?<br>(iii) 'प्रविशति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।<br>(iv) 'रुदनं कृत्वा' इत्यस्य पदस्य विपरीतार्थकम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत। | |
| (आ) | **पद्यांशः**<br>वाक्पटुर्धैर्यवान् मन्त्री सभायामप्यकातरः।<br>स केनापि प्रकारेण परैर्न परिभूयते।।<br>**प्रश्नाः** | |
| I | **एकपदेन उत्तरत।** ½x2<br>एक पद में उत्तर दीजिए।<br>Answer in one word.<br>(i) मन्त्री सभायां कीदृशः स्यात्?<br>(ii) धैर्यवान् मन्त्री कैः न परिभूयते? | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत।** 2×1<br>पूर्णवाक्य में उत्तर दीजिए।<br>Answer in a complete sentence.<br>कीदृशः मन्त्री परैः न परिभूयते? | 2 |
| III | **यथानिर्देशम् उत्तरत।** ½×4<br>यथानिर्देश उत्तर दें।<br>Answer as directed.<br>(i) 'तिरस्कृतः भवति' इत्यर्थे श्लोके किं पदं प्रयुक्तम्?<br>(ii) स्वकीयैः इति पदस्य विपरीतार्थकं किम्?<br>(iii) 'धैर्यवान् मन्त्री' अनयोः पदयोः विशेष्यपदं किम्?<br>(iv) परैः न परिभूयतें वाक्ये क्रियापद किम्? | 2 |
| ( इ ) | **नाट्यांशः**<br>पर्यटनाधिकारी हिमाद्रितुङ्गशृङ्गैः सुशोभिता सूर्योदय भूमिः इयम्। अतः अरुणाचलः। अस्मिन् | |

<table>
<tr><th>प्र.सं.</th><th>प्रश्न</th><th>अंक</th></tr>
<tr><td></td><td>प्रदेशे पञ्चाशदधिकाः नद्यः प्रवहन्ति। विपुला च अत्र वनसम्पदा। वनौषधीनां तु अयं स्रोतः एव। पुष्पाणां समृद्धिः सुगन्धिः च मनोहरः। सर्वत्र हरीतिमा। शुद्धपर्यावरणेन युक्तस्य अस्य प्रदेशस्य केवलं प्रकृतिः एव न विविधा मनोहरा च प्रत्युत संस्कृतिः अपि।<br><br>सर्वे — एवम्.............<br>सुधाकरः — अस्य प्रदेशस्य राजधानी का?<br>पर्यटनाधिकारी — ईटानगरम् अस्य प्रदेशस्य राजधानी।<br>श्यामा — महोदय। अत्रत्यजनजातीनां कानि प्रमुखानि आजीविका – साधनानि?<br>पर्यटनाधिकारी — कृषिः शिल्पकला वनसम्पद् चैव एतेषां प्रमुखानि आजीविकासाधनानि।<br>रविः — मान्यवर! अस्य प्रदेशस्य प्रमुखाः उत्सवाः के?<br>पर्यटनाधिकारी — साधु पृष्टम्। अत्र अनेके प्रमुखोत्सवाः। 'वाङ्चो' जनजातीनां प्रमुखं पर्व 'ओरिया' इति अस्ति। एतत् तु 'फरवरी' इति मासे मान्यते। अस्मिन् अवसरे कृषिभूमिपूजनं सेतुनिर्माणं च सामाजिकं कार्यं क्रियते।<br><br>प्रश्नाः</td><td></td></tr>
<tr><td>I</td><td>एकपदेन उत्तरत। ½x2<br>एक ही शब्द में उत्तर लिखें<br>Answer in one word only.<br>(i) 'ओरिया' इति पर्व कदा मान्यते?<br>(ii) कृषिः शिल्पकला वनसम्पद् चैव केषां प्रमुखानि आजीविकासाधनानि?</td><td>1</td></tr>
<tr><td>II</td><td>पूर्णवाक्येन उत्तरत। 1×2<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखें<br>Answer the following in complete sentence.<br>(i) 'वाङ्चो' जनजातीनां प्रमुखपर्वणि किं किं भवति?<br>(ii) शुद्धपर्यावरणेन युक्तस्य अरुणाचलस्य किं किं मनोहरम्?</td><td>2</td></tr>
<tr><td>III</td><td>निर्देशानुसारम् उत्तरत। ½×4<br>निर्देश के अनुसार उत्तर लिखें<br>Do as directed.<br>(i) 'सूर्योदयभूमिः इयम्' अत्र 'इयम्' इति पदं कस्मै प्रयुक्तम्?<br>(ii) 'असामाजिकम्' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं संवादात् चित्वा लिखत।</td><td>2</td></tr>
</table>

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
| --- | --- | --- |
| | (iii)'विपुला वनसम्पदा' अनयोः पदयोः विशेष्यपदं किम्? | |
| | (iv)'प्रवहन्ति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं संवादात् चित्वा लिखत। | |
| 15. | **अधोलिखितपद्यद्वयस्य भावार्थम् उपयुक्तपदैः पूरयित्वा पुनः लिखत** 3+3 | 6 |
| | निम्नलिखित दो पद्यों के भावार्थों को उपयुक्त शब्दों से भरकर पुनः लिखिए | |
| | Complete the explanations of the following two stanzas and re-write them in the answer sheet: | |
| I | कस्य वशे प्राणिगणः? सत्यप्रियभाषिणो विनीतस्य।<br>क्व स्थातव्यम्? न्याय्ये पथि दृष्टादृष्टलाभाढ्ये।। | |
| | **भावार्थः** | |
| | यः सत्यप्रियभाषी (i)....................चास्ति सर्वे प्राणिनः तस्य एव वशीभूय कार्यं कुर्वन्ति। अतः सर्वैः सह विनम्रतया व्यवहारः कर्त्तव्यः। तथैव हानि-लाभौ अविचार्य एव (ii)....................मार्गे एव चलितव्यम् कामं तस्य (iii)....................प्रत्यक्षतया दृश्यमानः भवेत् न वा। | |
| II | नास्ति विद्यासमं चक्षुः नास्ति सत्यसमं तपः।<br>नास्ति रागसमं दुखं नास्ति त्यागसमं सुखम्।। | |
| | **भावार्थः** | |
| | अस्मिन् संसारे विद्या एव नरस्य नेत्रम् इव कथ्यते। सत्यस्य पालनं कठिनतमम्। अतः अनेन समम् (i).................... न अस्ति। सांसारिकपदार्थेषु आसक्तिः एव (ii).................... कारणम् परं त्यागस्य भावनया समं (iii).................... संसारे न अस्ति। | |
| 16. | **अधोलिखितपद्यद्वयस्य अन्वयौ पूरयित्वा पुनः लिखत** 1½+1½ | 3 |
| | निम्नलिखित दो पद्यों के अन्वयों को पूरा करके पुनः लिखिए | |
| | Complete and re-write the prose order renderings of the following two stanzas: | |
| I. | **प्रार्थितं ते मया चक्रं देवदानवपूजितम्।<br>अजेयः स्यामिति विभो! सत्यमेतद् ब्रवीमि ते।।** | |
| | **अन्वयः** | |
| | विभो! अजेयः (i).................... इति मया देवदानव-पूजितम् (ii).................... ते प्रार्थितम्। (iii).................... ते सत्यम् ब्रवीमि। | |
| II. | अथ केन प्रयुक्तोऽयं पापं चरति पूरुषः<br>अनिच्छन्नपि वार्ष्णेय। बलादिव नियोजितः।। | |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | **अन्वयः**<br>वार्ष्णेय! अथ केन (i)................... अयं पूरुषः (ii)................... अपि (iii)................... नियोजितः इव पापम् चरति। | |
| 17. | **रेखाङ्कितपदानि आश्रित्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत** 1×4<br>रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्ननिर्माण कीजिए<br>Frame questions based on the underlined words<br>(i) शक्रः वरम् अददात्।<br>(ii) बकः वृष्टेः अभिनन्दनं करोति।<br>(iii) भारतीयमासानां नामानि नक्षत्रनामभिः सम्बद्धानि।<br>(iv) द्रौणिना मे पुत्राः हताः। | 4 |
| 18. | **घटनाक्रमानुसारम् अधोलिखितवाक्यानि पुनः क्रमेण लिखत** ½×8<br>घटनाक्रम के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को पुनः क्रम से लिखिए<br>Re-write the following sentences in the sequential order.<br>(i) प्रच्छन्नभाग्यस्य धनागमवृत्तान्तं श्रुत्वा दुष्टबुद्धिः तस्य एव गृहे चौर्यार्थं सन्धिखननम् अकरोत्।<br>(ii) गृहमागतः भार्यया उपदिष्टः सः क्रन्दनं विहाय कस्यचित् कृषकस्य क्षेत्रे कृषिकार्यं प्रारभ्य गच्छता कालेन धनिकः सञ्जातः।<br>(iii) विद्यापराङ्मुखः प्रच्छन्नभाग्यः दुष्टबुद्धिना सह चौर्यकर्मणि संलग्नः जातः।<br>(iv) पतितात् कलशात् प्रचुरमणिमाणिक्यानि प्रच्छन्नभाग्यस्य गृहे पतितानि सन्धितः सर्पश्च निर्गत्य दुष्टबुद्धिं दष्टवान्।<br>(v) बालवचसा उन्मीलितचक्षुः प्रच्छन्नभाग्यः गृहं प्रत्यागतवान् दुष्टबुद्धिश्च एकाकी एव चौर्यार्थं प्रस्थितः।<br>(vi) स्वप्नस्य वार्तां श्रुत्वा दुष्टबुद्धिः झटिति गत्वा अश्वत्थमूलात् सुवर्णकलशं प्राप्तवान्।<br>(vii) एकदा नतोन्नतमार्गात् चौर्यार्थं गच्छन्तौ तौ एकेन बालकेन गर्हितौ।<br>(viii) सुवर्णकलशे सर्पं दृष्ट्वा मित्रं मारयितुम् इच्छन् दुष्टबुद्धिः कलशं प्रच्छन्नभाग्यस्य गृहे क्षिप्तवान्। | 4 |
| 19. | **प्रसङ्गानुसारं रेखाङ्कितपदानां शुद्धम् अर्थम् चित्वा लिखत** 1×3<br>प्रसंग के अनुसार रेखांकित पदों के शुद्ध अर्थ चुनकर लिखिए<br>Write the meanings of the underlined words suitable to the context. | 3 |
| I | अहो सत्त्वहितैषिता | |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (i) बलम् (ii) प्राणिनाम् (iii) सत्यम् | |
| II | कथं माम् <u>अधिक्षिपसि</u>। | |
| | (i) अधिकारेण क्षिपसि (ii) अधिकृत्य क्षिपसि (iii) तिरस्करोषि | |
| III | संकल्पं श्रुत्वा <u>विस्मिताः</u> यूयम्। | |
| | (i) आश्चर्यचकिताः (ii) विशेषेण स्मितमानाः (iii) विस्मारिताः | |

# आदर्शसंस्कृतप्रश्नपत्रम् ।

## अंकयोजना

## विषय : संस्कृतम् (सम्प्रेषणाधारितम्)

कक्षा दशमी कोडसंख्या 122

अवधि : होरात्रयम् पूर्णाङ्काः 100

खण्ड : क - अपठित अवबोधनम्

अस्मिन् खण्डे अनुच्छेदद्वयम् अस्ति (5+10)

क ।- प्रथम : अनुच्छेदः 50 शब्दपरिमितः (5)

क्रमाङ्कः उद्देश्यम् प्रश्न-प्रकारः अपेक्षित-उत्तराणि अङ्कसङ्केतः अंकविभागः

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| I | तथ्यबोध-परीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन उत्तरम् | (i) | बङ्गप्रदेशस्य | | 1/2 |
| | | | (ii) | कविरवीन्द्रेण | I | 1/2 |
| II | तथ्यबोध-परीक्षणम् | लघूत्तरः पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) | महापुरुषाणां जन्मदात्री भारतभूमिः वस्तुतः धन्या एव। | | I |
| | | | (ii) | 'गीताञ्जलिः' इति कवितासङ्ग्रहस्य कृते कविरवीन्द्रः नोबेल-पुरस्कारं प्राप्तवान् | | I |
| | | | | (अर्धः अङ्कः शुद्धतथ्यस्य परीक्षणाय अर्धः अङ्कः च शुद्धवर्तनीकृते) | 2 | |
| III | भाषिकतत्त्व-परीक्षणम् | (i) कर्तृपदचयनम् | (i) | कविरेषः | | 1/2 |
| | | (ii) विशेषणचयनम् | (ii) | अतिप्रसिद्धम् | | 1/2 |
| | | (iii) विपरीतार्थकपद-चयनम् | (iii) | प्रसिद्धः | | 1/2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | (iv) | समानार्थकपद-चयनम् | (iv) | अस्थापयत् | 1/2 |
| | | | | 2 | |
| 2 | द्वितीयः अनुच्छेदः 80–100 शब्दपरिमितः | | | 10 | |
| क्रमाङ्कः | उद्देश्यम् | प्रश्न–प्रकारः | अपेक्षित–उत्तराणि | अङ्कसङ्केतः | अंकविभागः |
| I | तथ्यबोध-परीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन उत्तरम् | (i) स्वकार्यस्थलम् | | 1/2 |
| | | | (ii) अतिथिवत् अथवा श्रद्धया | | 1/2 |
| | | | (iii) सावधानता | | 1/2 |
| | | | (iv) शीघ्रताम् | | 1/2 |
| | | | | 2 | |
| II | तथ्यबोध-परीक्षणम् | विस्तृतोत्तरम् पूर्णवाक्येन | (i) बसयानेषु चालकाः 'अतिथिः देवो भव' इति भारतीयपरम्परां सम्यक् परिपालयन्ति। | | 2 |
| | | | (ii) बसयानस्य जनसम्मर्दः भारतस्य जनसम्मर्दस्य तु आभासः कारयेदेव इत्येव चालकानां मनसि वर्तते | | 2 |
| | | | (सार्धैक-अङ्कः तथ्यपरीक्षणाय अर्धः अङ्कः च शुद्धवर्तनीकृते) | 4 | |
| III | भाषिक-तत्त्व-परीक्षणम् | (i) समानार्थकपदचयनम् | (i) यातनाप्रदम् | | 1/2 |
| | | (ii) कर्तृपदचयनम् | (ii) यात्रिणः | | 1/2 |
| | | (iii) विशेषणपदचयनम् | (iii) एतावतीम् | | 1/2 |
| | | (iv) विपरीतार्थकपदचयनम् | (iv) अवतरणसमये | | 1/2 |
| | | | | 2 | |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| IV | शीर्षकप्रदानम् | अतिलघूत्तरः | (i) | भारतस्य बसयानानि, | |
| | | अतिलघूत्तरः | (ii) | बसचालकानां व्यवहारः | |
| | | | (iii) | यात्रायां सावधानता एव श्रेयस्करी अथवा अन्यत् किमपि समुचितं शीर्षकम् | 2 |
| | | | | 2 | 10 |

## खण्ड : 'ख' - रचनात्मकलेखनम् 5+5+10=20

अस्मिन् खण्डे त्रयः प्रश्नाः सन्ति। प्रथमे प्रश्ने लिखिते पत्रे मञ्जूषातः चित्वा विभिन्नरिक्तस्थानानां पूर्त्तिं कृत्वा पत्रं पुनः उत्तरपुस्तिकायां लेखनीयम्। प्रतिशुद्धरिक्तस्थानपूर्त्तिकृते अर्धः अङ्कः निर्धारितः।

क्रमाङ्कः उद्देश्यम् प्रश्न-प्रकारः अपेक्षित-उत्तराणि अङ्कसङ्केतः अंकविभागः

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 3. | पत्रलेखने औपचारिक-कार्यपरीक्षणम् | (i) | यस्मात् स्थानात् पत्रं लिख्यते | (i) | राजस्थानप्रदेशः | 1/2 |
| | | (ii) | यं प्रति पत्रं लिख्यते तस्य नाम | (ii) | वसन्त | 1/2 |
| | | (ix) | लेखकस्य सम्बन्धः | (iii) | अभिन्नम् | 1/2 |
| | | (x) | लेखकस्य नाम | (iv) | प्रणवः | 1/2 |
| | | | | | 2 | |
| | पत्रलेखने विषयवस्तुकार्य-परीक्षणम् | (iii-viii) | सन्दर्भानुकूलं विषयवस्तुज्ञानम् | (iii) | ज्ञात्वा | 1/2 |
| | | | | (iv) | प्रथमस्थानम् | 1/2 |
| | | | | (v) | पशुपक्षिभ्यः | 1/2 |
| | | | | (vi) | शोभाम् | 1/2 |
| | | | | (vii) | सम्भाषणम् | 1/2 |
| | | | | (viii) | जन्तुशालायामपि | 1/2 |
| | | | | | 3 | |
| | | | | | | 5 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | अंक |
|---|---|---|---|---|
| 4. | प्रदत्तकथायाम् प्रसङ्गानुसारं रिक्तस्थानपूर्त्तिः अपेक्षिता। प्रति शुद्धरिक्तकथनपूर्त्तिकृते अर्धः अंकः निर्धारितः। उत्तरसङ्केताः मञ्जूषातः एव गृहीतव्याः | | | |
| | कथायां प्रसङ्गानुसारं प्रसङ्गावबोधनम् | (i) | कृषकाः | 1/2 |
| | पदपूर्त्तिपरीक्षणम् | (ii) | चिन्तयित्वा | 1/2 |
| | | (iii) | कार्यम् | 1/2 |
| | | (iv) | आकाशवाणी | 1/2 |
| | | (v) | पञ्चवर्षाणि | 1/2 |
| | | (vi) | कालः | 1/2 |
| | | (vii) | भविष्ये | 1/2 |
| | | (viii) | वर्षायाः | 1/2 |
| | | (ix) | मेघमाला | 1/2 |
| | | (x) | एव | 1/2 |
| | | | 5 | |
| 5. | एषः प्रश्नः चित्रवर्णनसम्बद्धः। अस्मिन् प्रश्ने चित्रं दृष्ट्वा मृञ्जूषायां प्रदत्तशब्दसूचीसाहाय्येन पञ्चवाक्येषु वर्णनम् अपेक्षितम्। प्रतिवाक्यम् अङ्कद्वयं निर्धारितम् | | | |
| | अवबोधपूर्वकं चित्रवर्णनार्थं | | छात्राः स्वतत्ररूपेण | 1+1 |
| | वाक्यसंरचना वाक्यसंयोजनम् | | मञ्जूषातः शब्दान् | 1+1 |
| | प्रयोगपरीक्षणम् | | चित्वा वाक्यनिर्माणं | 1+1 |
| | | | करिष्यन्ति। प्रतिवाक्यम् | 1+1 |
| | | | एकः अङ्कः शुद्धतथ्यार्थम्, | 1+1 |
| | | | एकः च भाषाप्रयोगाय 10 | |

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| | प्रदत्तसंकेतान् आश्रित्य 'शाक-आपणस्य-वर्णनम्' इति विषयम् अधिकृत्य पञ्चवाक्यानि लेखनीयानि। प्रतिवाक्यम् अङ्कद्वयं निर्धारितम्। एकः अङ्कः शुद्धतथ्यकृते एकः च शुद्धभाषाप्रयोगाय | | |
| | अवबोधपूर्वकं वाक्यनिर्माणम् | छात्राः प्रदत्तशब्दैः | 1+1 |
| | वाक्यरचना- | 'शाक-आपणस्य | 1+1 |
| | परीक्षणम् | दृश्यम्' इति विषयम् | 1+1 |
| | | अधिकृत्य वाक्यानि | 1+1 |
| | | लेखिष्यन्ति। | 1+1 |
| | | (प्रतिवाक्यम् एकः | |
| | एव अङ्कः शुद्ध- तथ्यार्थम्, एकः अङ्कः च भाषाप्रयोगाय) | | |
| | 10 | | |

# आदर्श संस्कृत प्रश्नपत्रम् ।

## खण्ड : ग

## ( अनुप्रयुक्तव्याकरणम् )

**अस्मिन् खण्डे भाषायाः व्यावहारिकप्रयोगः अपेक्षितः**

क्रमाङ्कः उद्देश्यम् प्रश्न–प्रकारः अपेक्षित–उत्तराणि अङ्कसङ्केतः अंकविभागः

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6. | वाक्येषु सन्धिः/ | अनुप्रयोगात्मक | (i) | वनेऽस्मिन् | | 1 |
| | सन्धिच्छेदपरी– | रिक्तस्थानपूर्ति– | (ii) | तच्छिक्षया | | 1 |
| | क्षणम् | माध्यमेन सन्धि– | (iii) | अर्थिनः+तु | | 1 |
| | | करणम्/सन्धिच्छेदः | | | | |
| | | वा बोधपरकः | | | | |
| | | अतिलघूत्तरः | | | 3 | |
| 7. | वाक्येषु समस्त– पदानां विग्रहः। | वाक्येषु रेखाङ्कित– | (i) | शक्तिम् अनतिक्रम्य | | 1 |
| | असमस्तपदानां | पदानां | (ii) | सूपं करोति इति | | 1 |
| | समसनम् इति | विग्रहः/ | (iii) | सप्ताहे | | 1 |
| | दक्षता परीक्षणम् | समसनम् | (iv) | विचित्रस्वप्नः | | 1 |
| | | | | | 4 | |
| 8. | वाक्येषु कृदन्त/ | प्रकृतिप्रत्ययौ | (i) | वि+ ईक्ष्+शानच् | | 1 |
| | तद्धितप्रत्ययानां | संयोज्य/पृथक् | (ii) | ऐतिहासिकानि | | 1 |
| | प्रयोग–परीक्षणम् | कृत्वा वाक्य– | (iii) | पठितव्यम् | | 1 |
| | | सन्दर्भानुसारं | (iv) | मन्त्री | | 1 |
| | | रिक्तस्थानपूर्तिः | (v) | रमणीय+टाप् | | 1 |
| | | | | | | 5 |
| 9. | वाक्येषु अव्यय– | बोधपरकः | (i) | तथा | | 1/2 |
| | पद–प्रयोग– | वाक्येषुरिक्त– | (ii) | मा | | 1/2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | परीक्षणम् | स्थानेषु उचित- | (iii) | तावत् | 1/2 |
| | | अव्ययप्रयोगेण | (iv) | ह्यः | 1/2 |
| | | वाक्ययोजनम् | (v) | श्वः | 1/2 |
| | | | | 5 | |
| 10. | वार्तालापे | रिक्तस्थानेषु | (i) | जलम् | 1 |
| | कर्मवाच्य- | अपेक्षितकर्तृ | (ii) | आनीयते | 1 |
| | प्रयोग- | कर्म-क्रियापदैः | (iii) | ताभिः | 1 |
| | परीक्षणम् | रिक्तस्थानपूर्तिः | | | |
| | | | | 3 | |
| 11. | घटिकां | वाक्येषु | (i) | सपाद षट् | 1 |
| | दृष्ट्वा | समयद्योतकैः | (ii) | सार्धसप्तवादने | 1 |
| | संस्कृतेन | पदैः रिक्त- | (ii) | दशवादने | 1 |
| | समय-लेखन | स्थानपूर्तिः | (iv) | पादोनद्वादश | 1 |
| | परीक्षणम् | | | | |
| | | | | 4 | |
| 12. | संख्यावाचक- | अङ्कानां स्थाने | (i) | चत्वारः | 1/2 |
| | पद-प्रयोग- | वाक्येषु संस्कृत- | (ii) | षट्सप्ततिः | 1/2 |
| | परीक्षणम् | पदैः रिक्तस्थान- | (iii) | षट् | 1/2 |
| | | पूर्तिः | (iv) | एकः | 1/2 |
| | | | | 2 | |
| 13. | वाक्यसंरचनायां | लिखितेषु | (i) | अभवत् | 1 |
| | शुद्ध-लिङ्ग-वचन | वाक्येषु | (ii) | अपश्यम् | 1 |
| | क्रियापद प्रयोग- | रेखाङ्कित-पदेषु अशुद्धि | (iii) | अनेकाः | 1 |
| | परीक्षणम् | संशोधनम् | (iv) | दत्तावधानाः | 1 |
| | | | | 4 | |

# आदर्श संस्कृत प्रश्नपत्रम् ।

## खण्डः 'घ'

### ( पठित-अवबोधनम् )

**अस्मिन् खण्डे सर्वे प्रश्नाः पाठ्यपुस्तकम् संशोधितसंस्करणम् आधारिताः।**

क्रमाङ्कः उद्देश्यम् प्रश्न–प्रकारः अपेक्षित–उत्तराणि अङ्कसङ्केतः अंकविभागः

| प्र.सं. | | | प्रश्न | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14. | (अ) पठितगद्यांश– | I अतिलघूत्तर एकपदेन उत्तरम् | (i) | अर्धज्वलित–काष्ठेन | | 1/2 |
| | बोधपरीक्षणम् | | (ii) | स्वर्गसमानो–पभोगान् | 1 | 1/2 |
| | | II पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) | अटव्यां क्षार–तिक्त–कषाय–कटु–रूक्षफलानि प्राप्यन्ते। | | 1 |
| | | | (ii) | ऊर्णाप्रचुरः मेषः वह्निना जाज्वल्यमान–शरीरः निकटस्थाम् अश्वशालां प्रविशति दाहवेदनया च भूमौ लुठति। तस्य क्षितौ प्रलुठतः तृणेषु वह्निज्वालाः समुत्थिताः। | 2 | 1 |
| | भाषिक–तत्त्व– III प्रयोग–परीक्षणम् | (i) विशेषण–पद–चयनम् | (i) | जाज्वल्यमानः | | 1/2 |
| | | (ii) पर्यायवाची–शब्द–चयनम् | (ii) | क्षितौ | | 1/2 |
| | | (iii) कर्तृपद–चयनम् | (iii) | मेषः | | 1/2 |
| | | (iv) विपरीतार्थकपद–चयनम् | (iv) | प्रहस्य | 2 | 1/2 |
| | | | | | 5 | |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | (आ) पठितपद्यांश- बोधपरीक्षणम् | I अतिलघूत्तरः एकपदेन | (i) अकातरः | | 1/2 |
| | | | (ii) परैः | | 1/2 |
| | | | | 1 | |
| | | II पूर्णवाक्येन उत्तरम् | वाक्पटुः धैर्यवान् सभायाम् अकातरः मन्त्री परैः न परिभूयते। | | 2 |
| | | | | 2 | |
| | भाषिक-तत्त्व- प्रयोग-परीक्षणम् | III (i) पर्यायवाची- शब्दचयनम् | (i) परिभूयते | | 1/2 |
| | | (ii) विपरीतार्थक- पदचयनम् | (ii) परैः | | 1/2 |
| | | (iii) विशेष्यपद- चयनम् | (iii) मन्त्री | | 1/2 |
| | | (iv) क्रियापद चयनम् | (iv) परिभूयते | | 1/2 |
| | | | | 2 | |
| | | | | 5 | |
| | (इ) पठित-नाट्यांश- बोध-परीक्षणम् | I अतिलघूत्तरः एकपदेन उत्तरम् | (i) फरवरीमासे | | 1/2 |
| | | | (ii) जनजातीनाम् | | 1/2 |
| | | | | 1 | |
| | II | पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) कृषि भूमिपूजनं, सेतुनिर्माणं च सामाजिकं कार्यं भवति। | | 1 |
| | | | (ii) शुद्धपर्यावरणेन युक्तस्य अरुणाचलस्य केवलं प्रकृतिः एव न विविधा मनोहरा च प्रत्युत संस्कृतिः अपि। | | 1 |
| | | | | 2 | |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | भाषिक तत्वप्रयोग-परीक्षणम् | (i) सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः | (i) इयम् इति पदं अरुणाचलाय प्रयुक्तम् | | 1/2 |
| | | (ii) विपरीतार्थक पद चयनम् | (ii) सामाजिकम् | | 1/2 |
| | | (iii) विशेष्यपद-चयनम् | (iii) वनसम्पदा | | 1/2 |
| | | (iv) कर्तृपदचय-नम् | (iv) नद्यः | 2 | 1/2 |
| | | | | 5 | |
| 15. | भावार्थबोध-परीक्षणम् | (i) प्रदत्तेषु भावार्थेषु रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) विनीतः | | 1 |
| | | | (ii) न्याय्ये | | 1 |
| | | | (iii) लाभः | 3 | 1 |
| | | (ii) प्रदत्तेषु भावार्थेषु रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) तपः | | 1 |
| | | | (ii) दुःखस्य | | 1 |
| | | | (iii) सुखम् | 3 | 1 |
| | | | | 6 | |
| 16. | पद्यांशस्य अन्वयपरीक्षणम् | (i) प्रदत्ते अन्वये श्लोकं पठित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) स्याम् | | 1/2 |
| | | | (ii) चक्रम् | | 1/2 |
| | | | (iii) एतत् | 1½ | 1/2 |
| | | (ii) प्रदत्ते अन्वये श्लोकं पठित्वा रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) प्रयुक्तः | | 1/2 |
| | | | (ii) अनिच्छन् | 1½ | 1/2 |
| | | | (iii) बलात् | | 1/2 |
| | | | | 3 | |
| 17. | प्रश्ननिर्माण-कौशलं परीक्षणम् | प्रदत्तकथनेषु स्थूलपदानि | (i) कः | | 1 |
| | | | (ii) कस्य | | 1 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | | आधृत्य | (iii) कैः | | 1 |
| | | प्रश्ननिर्माणम् | (iv) के | | 1 |
| | | | | 4 | |
| | | अर्धाङ्कः शुद्धप्रश्नवाचक-सर्वनामकृते | | | |
| | | अर्धाङ्कः च प्रश्नवाचकचिह्नकृते | | | |
| 18. | तर्कपूर्णघटनाक्रम- | प्रदत्त- | V, IV, I, VIII | ½×8 | |
| | संयोजनपरीक्षा | घटनानाम् | III, VI, II, VII | | |
| | | क्रमनिर्धारणम् | | 4 | |
| 19. | प्रसङ्गानुसारम् | प्रदत्त- | (i) प्राणिनाम् | | 1 |
| | शब्दार्थबोध- | विकल्पेभ्यः | (ii) तिरस्करोषि | | 1 |
| | परीक्षणम् | | (iii) आश्चर्ययुक्ताः | | 1 |
| | | | | 3 | |

# आदर्शसंस्कृतप्रश्नपत्रम् II

## कक्षा–दशमी

**अवधि : होरात्रयम्** | **पूर्णाङ्काः 100**

**Time allowed : 3 hours** | **Maximum Marks: 100**

**निर्धारित समय : 3 घण्टे** | **अधिकतम अंक 100**

खण्ड 'क' : अपठितांश–अवबोधनम्/अपठितांश अवबोधन — 15 अङ्काः

Section A : Unseen Reading Comprehension

खण्ड 'ख' : रचनात्मक–कार्यम्/रचनात्मक कार्य — 20 अङ्काः

Section B : Writing Skills

खण्ड 'ग' : अनुप्रयुक्त–व्याकरणम्/अनुप्रयुक्त व्याकरण — 30 अङ्काः

Section C : Applied Grammar

खण्ड 'घ' : पठित–अवबोधनम्/पठित–अवबोधन — 35 अङ्काः

Section D : Reading Comprehension

**निर्देशाः**

**निर्देश :**

**Instructions:**

1. अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति।
   इस प्रश्नपत्र में चार खण्ड हैं।
   The question paper has four sections.

2. प्रत्येकं खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।
   प्रत्येक खण्ड के उत्तर एक ही जगह पर क्रम से लिखने होंगे।
   The answers to each section must be written at one place.

3. प्रतिखण्डम् उत्तराणि पृथक् प्रदत्तायाम् उत्तरपुस्तिकायां लेखनीयानि।
   प्रत्येक खण्ड के उत्तर पृथक् दी गई उत्तरपुस्तिका में ही लिखने हैं।
   The answers have to be written in a separate answer sheet.

4. प्रश्नपत्रे उत्तराणि न लेखनीयानि।
   प्रश्नपत्र पर उत्तर न लिखें।
   Don't write answers in the question paper.

5. प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।
   प्रश्नपत्र के अनुसार प्रश्नसंख्या अवश्य ही लिखनी होगी।
   Please write the question no. according to the question paper.

6. सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लेखनीयानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए।
   Answer all the questions in Sanskrit.

**खण्ड : क Section A** **15 अङ्काः**

**अपठितांश-अवबोधनम् ( अपठितांश-अवबोधन )**

**Unseen Reading Comprehension**

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 1. | **अधोलिखित-अनुच्छेदद्वयं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नान् पृथक्-प्रदत्तायाम् उत्तरपुस्तिकायाम् उत्तरत** – <br>निम्नलिखित दोनों अनुच्छेदों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर पृथक् दी गई उत्तरपुस्तिका में लिखिये <br>Read the following two passages and answer the questions in the given answer sheet. <br>प्रथमः अनुच्छेदः <br>जीवने मौनं विजयलक्ष्म्याः प्रथमं सोपानमस्ति। विभिन्नदीपेषु तैलस्य न्यूनाधिक्यं भवति परं तैलस्य अक्षयकोशः तु कुत्रापि न भवति एवमेव देवानां, मानवानां, किन्नराणां, पशुपक्षिणां वा प्राणशक्तिः सीमिता अस्ति। संयमिनः एव जनस्य शक्तिः लाभकरी भवति अतः वाण्याः संयमः अवश्यमेव रक्षणीयः निरन्तरं निरर्थकप्रलापेन मस्तिष्कस्य ऊर्जा नश्यति सत्यमेव कथितं यत् भाषणं रजतवत् परं मौनं तु स्वर्णवदेव। <br>**प्रश्नाः** | |
| I | **एकपदेन उत्तरत** ½×2 <br>एक शब्द में उत्तर दीजिए <br>Answer in one word only. <br>(i) कस्याः संयमः अवश्यमेव रक्षणीयः? <br>(ii) विजयलक्ष्म्याः प्रथमं सोपानं किम्? | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत** 1×2 <br>पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए <br>Answer in complete sentence. <br>(i) केषां प्राणशक्तिः सीमिता अस्ति? <br>(ii) किं सत्यमेव कथितम्? | 2 |
| III | **निर्देशानुसारम् उत्तरत** ½×4 <br>निर्देश के अनुसार उत्तर लिखें <br>Do as directed <br>(i) 'रक्षा कर्तव्या' अस्मिन्नर्थे अनुच्छेदे किं पदं प्रयुक्तम्? <br>(ii) 'तैलस्य अक्षयकोषः तु कुत्रापि न भवति' अस्मिन् वाक्ये 'भवति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्? <br>(iii) 'प्रथम' सोपानम् पदयोः विशेषणय किम्? <br>(iv) 'असीमिता' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| 2 | **द्वितीयः अनुच्छेदः**<br><br>परीक्षायाः दिनानि अतिविचित्राणि भवन्ति। यथा-यथा परीक्षाकालः समीपम् आयाति तथा-तथैव छात्राणां हृदयगतिः वर्धते। परीक्षा प्रायशः छात्रेभ्यः भयप्रदा एव प्रतीयते। अस्मिन्काले न निद्रैव आयाति न च हृदयं धारयितुं शक्यते, बुभुक्षाऽपि सम्यक्प्रकारेण नानुभूयते। कदाचित् कस्मिंश्चित् विषये अभ्यासाल्पता प्रतीयते कदाचिच्च अन्यस्मिन्। मस्तिष्कः सदैव तनावयुक्तः एव प्रतीयते। न केवलं छात्राणाम् अपितु तेषाम् अभिभावकानामपि दशा एतादृशी एव भवति, परन्तु ये छात्राः उत्तमाः भवन्ति वर्षस्य प्रारम्भात् एव पठितस्य अभ्यासं कुर्वन्ति, कक्षायां दत्तावधानाः तिष्ठन्ति सर्वं पाठ्यक्रमं पठित्वा परीक्षातः प्राक् पौनःपुन्येन अभ्यासं पुनरावृत्तिं चापि कुर्वन्ति। ते सर्वथा शान्तमनसा परीक्षाम्बुधिं तरन्ति अतः सर्वैः एव छात्रैः एवमेव करणीयम्, तदैव ते परीक्षाभयात् मुक्ताः भूत्वा परीक्षासु सदैव सफलाः भवन्ति।<br><br>**प्रश्नाः-** | | |
| I | **एकपदेन उत्तरत**<br>एक ही शब्द में उत्तर लिखें।<br>Answer in one word only.<br>(i) कः सदैव तनावयुक्तः प्रतीयते?<br>(ii) छात्रेभ्यः का प्रायशः भयप्रदा प्रतीयते?<br>(iii) ये पुनरावृत्तिं कुर्वन्ति ते शान्तमनसा कं तरन्ति?<br>(iv) परीक्षायाः दिनानि कीदृशानि भवन्ति? | ½×4 | 2 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत**<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखें<br>Answer in a complete sentence.<br>(i) उत्तमाः छात्राः वर्षस्य प्रारम्भात् एव किं किं कुर्वन्ति?<br>(ii) अस्मिन्काले (परीक्षाकाले) किं किं भवति? | 2×2 | 4 |
| III | **यथानिर्देशम् उत्तरत**<br>निर्देश के अनुसार उत्तर लिखें<br>Do as directed<br>(i) 'आयाति' इति क्रियापदस्य कर्तृपदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत<br>(ii) 'तेषाम् अभिभावकानाम्' अत्र 'तेषाम्' इति सर्वनामपदं केभ्यः प्रयुक्तम्?<br>(iii) 'परीक्षा भयप्रदा' अत्र विशेष्यपदं किम्?<br>(iv) 'ते' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदम् अनुच्छेदात् चित्वा लिखत। | ½×4 | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| IV | अस्य अनुच्छेदस्य कृते समुचितं शीर्षकं लिखत।<br>इस अनुच्छेद को पढ़कर समुचित शीर्षक लिखें।<br>Give a suitable title to the paragraph. | 2 |

## खण्डः ख

## Section B

20 अङ्काः

## रचनात्मकं कार्यम्

## रचनात्मक कार्य

## Writing Skill

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 3. | **पत्र लेखनम्** | |

भवतः नाम सक्षमः छात्रवासे व भवान् वसति। अजन्ता–अलोरा–गुहादर्शनार्थ शैक्षिकयात्रायै गन्तुम् इच्छति। धनप्रेषणार्थ पितरं प्रति लिखितं पत्रं मंजूषायां प्रदतैः उचितशब्दैः पूरयित्वा उत्तरपुस्तिकायां पुनः लिखत।

आपका नाम सक्षम है और आप छात्रावास में रहते हैं। शैक्षिक यात्रा के लिए अजन्ता–एलौरा की गुफाओं को देखने के लिए जाना चाहते हैं। धन भेजने के लिए पिता को लिखे गए निम्नलिखित पत्र को मंजूषा में दिए गए उचित शब्दों के द्वारा पूर्णकर पत्र को पुनः उत्तरपुस्तिका में लिखिए।

You are Saksham and stay in a hostel. You want to visit Ajanta Allora in an educational trip. Fill in the blanks in the following letter written to your father for sending money. Select appropriate words from the given box.

5

22, रंगनाथन् छात्रावासः

1

22.9.2006

परमादरणीयाः ......................!

2

सादरं प्रणमामि ।

सविनयं -----3------यत् मम त्रैमासिकी परीक्षा समाप्तिं गता। मम ----4----शोभनानि अभवन। अस्मिन---5---अहं गृहं न आगमिष्यामि, यतः विद्यालयेन एकस्याः----6----प्रबन्धः कृतः। एषा अजन्ता एलोरागुहानां दर्शनाय आयोजिता अस्ति। यात्राव्ययार्थ----7----रूप्यकाणि प्रेषयन्तु भवन्तः।

शेषं सर्व कुशलम्। मम-----8-----अग्रजाय च सादरं प्रणामाः।

भवदीयः----9----

सक्षमः।

मच्जूषा

| |
|---|
| चेन्नईगरम्, निवेदयामि, प्रियपुत्रः, शैक्षिकयात्रायाः, पंचशतम्, कालिकातातः, शरदवकाशे, जनन्यै, उत्तरपत्राणि, पितृमहाभागाः |

डॉ. राजगोपालाचार्यः
330 अनन्तपुरमॅ
------10-----

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 4. | **संवादलेखनम्**<br><br>**मञ्जूषाप्रदत्तपंक्तिसहायतया कणिकायाः संवादान् पूरयित्वा पुनः लिखत** 1×5<br><br>मञ्जूषा में दी गई पंक्तियों की सहायता से निम्नलिखित संवाद में कणिका के कथनों को भरकर संवाद पुनः लिखिये<br><br>Complete the dialogues of KANIKA with the help of sentences given in the box and re-write the same in your answer-sheet.<br><br>कणिका भो : ऋत्विक्! अधुना तु ग्रीष्मावकाशः। प्रातः एव कुतः आयासि? किमर्थं गृहे विश्रामं न करोषि?<br><br>ऋत्विक् कणिके! अहं तु प्रातःकालीनभ्रमणाय उद्यानम् अगच्छम् ततः एव आयामि।<br><br>कणिका (i) ____________<br><br>ऋत्विक् तव यथेच्छानिद्रायाः एषा धारणा तु सर्वथा अनुचिता। अद्यत्वे एव स्वास्थ्यलाभाय प्रातः भ्रमणस्य अवसरः प्राप्यते।<br><br>कणिका (ii) ____________<br><br>ऋत्विक् प्रात भ्रमणेन स्वच्छवायुसेवनेन च शरीरं मनः च स्वस्थे भवतः। प्रातः वेला तु अमृतवेला कथिता।<br><br>कणिका (iii) ____________<br><br>ऋत्विक् यतः प्रातःकालीनः वायुः अमृतमयः भवति अतः प्रातःवेला अमृतवेला कथिता।<br><br>कणिका (iv) ____________<br><br>ऋत्विक् अन्यः एषः लाभः यत् प्रातः भ्रमणम् तु सरलतमः व्यायामः कथितः तस्मात् प्रातर्भ्रमणं कुर्वाणाः जनाः कदापि वृद्धावस्थां नानुभवन्ति।<br><br>कणिका (v) ____________<br><br>ऋत्विक् शोभनम् श्वः आवां सह एव प्रातः भ्रमणाय चलिष्यावः।<br><br>**मञ्जूषा**<br>(i) प्रातः भ्रमणस्य अन्यः कः लाभः?<br>(ii) कथं प्रातः भ्रमणम् स्वास्थ्यलाभाय कल्पते?<br>(iii) त्वया तु मम नेत्रे अपि उन्मीलिते। श्वः आरभ्य अहमपि प्रातः र्भ्रमणाय गमिष्यामि।<br>(iv) किमर्थं प्रातरुत्थाय भ्रमणार्थं गच्छसि? विद्यालयदिनेषु तु प्रातः उत्तिष्ठामः एव। अद्यत्वे तु अहं यथेच्छां निद्रां करोमि।<br>(v) किमर्थम् एषा अमृतवेला कथिता? | 5 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 5. | **अधः दत्तं चित्रम् आधृत्य मञ्जूषायां प्रदत्तशब्द-सहायतया पञ्चवाक्यानि उत्तरपुस्तिकायाम् लिखत**<br>नीचे दिये गये चित्र पर आधारित पांच वाक्य संस्कृत भाषा में लिखिए। 2×5<br>Describe the following picture in five sentences with the help of words given in the box.<br> <br>उपवनस्य, टोपिकां, उद्यानविहारम्, क्रीडनकैः, छत्रम्, ज्येष्ठा भगिनी, करणुकम्, धावति, आसन्दिका, उपनेत्रं, धारयति, रक्तकञ्चुकम्<br>**अथवा** | 10 |

'परिवारेण सह भ्रमणम्' इति विषयम् अधिकृत्य संस्कृतेन पञ्चवाक्यानि लिखत। सहायतायै मञ्जूषा दत्ता।

'परिवारेण सह भ्रमणम्' इस विषय में संस्कृत में पांच वाक्य लिखिए। सहायता के लिए मञ्जूषा दी गयी है।

Write five sentences in Sanskrit on 'परिवारेण सह भ्रमणम्' you can take help from the words given in the box.

**मञ्जूषा**

मम पिता, माता, भगिनी, भ्राता एकत्र समय-यापनम्, उपवनम् सहभोजनम्, मिलित्वा खेलनम् गायनम्, नर्तनम्, आनन्दप्रदम् मनोरञ्जकम्

## खण्ड : 'ग' Section C 30 अङ्काः

## अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्

## अनुप्रयुक्त व्याकरण

## Applied Grammar

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 6. | **अधोलिखितरेखाकिंतपदेषु सन्धिविच्छेदं/सन्धिं कृत्वा पुनः पूर्णवाक्यं लिखत** 1×3<br>नीचे लिखे वाक्यों में रेखाकिंत पदों में सन्धिविच्छेद/सन्धि करके वाक्य पुनः लिखिए<br>Disjoin/Join sandhi's in the underlined words and rewrite the sentence.<br>(i) रमणीया हि सृष्टिः + एषा।<br>(ii) प्रियच्छात्राः अभिनन्दनं भवताम्।<br>(iii) गुरावागते छात्राः तूष्णीम् अभवन्। | 3 |
| 7. | **अधोलिखितेषु वाक्येषु रेखाकिंतपदानां विग्रहं / समासं वा कृत्वा उत्तरपुस्तिकायां लिखत** 1×4<br>नीचे लिखे वाक्यों में स्थूलाक्षरपदों में विग्रह/समास करके उत्तरपुस्तिका में लिखिए<br>Join/Disjoin compounds in underline typed words in the following sentences and rewrite it 1×4<br>(i) मुनिः गङ्गायाः समीपं तपः करोति।<br>(ii) मयूरस्य केकारवं श्रुत्वा कोकिलः अपि लज्जते।<br>(iii) बहुफलः वृक्षः उपवने शोभते।<br>(iv) किं हेयं? अकार्यम्। | 4<br><br>4 |
| 8. | **अधोलिखितेषु वाक्येषु कोष्ठकान्तर्गतानां पदानां प्रकृतिप्रत्ययं विभज्य/संयुज्य लिखित** 1×5<br>नीचे लिखे गये वाक्यों में कोष्ठक के अन्तर्गत पदों के प्रकृतिप्रत्यय विभाजन/संयोग से निष्पन्न रूप लिखिए।<br>Rewrite the following words by Joining/disjoining suffixes to the roots/words.<br>(i) सेतुनिर्माणम् (सामाजिकं) कार्यम् अस्ति।<br>(ii) (क्रोध + इन्) विवेकः नश्यति।<br>(iii) विद्वांसः एव (चक्षुष्मन्तः) प्रकीर्तिताः।<br>(iv) कृषकैः पशवः स्नेहेन (रक्ष् + अनीयर्)<br>(v) अहो! (दृश् + तव्यत् + टाप्) नगरी एषा। | 5 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| 9. | **अधोलिखिते अनुच्छेदे उचित-अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत** 1x5<br>(अव्ययानां सूची अधः प्रदत्ता)<br>निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित अव्यय पदों से रिक्तस्थान की पूर्ति करके पुनः लिखिए<br>(अव्ययों की सूची नीचे दी गयी है)<br>Rewrite the following sentences after filling in the blanks with suitable indeclinables. (List of words are given below)<br><br>(i)..................अस्माकं विद्यालये एका गोष्ठी अभवत्। (ii)..................महानगरेषु वर्धमानं प्रदूषणं प्रति चर्चा कृता।<br>• गृहात् (iii)..................अवकरः न क्षेपणीयः।<br>• 'ध्वनिप्रदूषणं निवारयितुं ध्वनिप्रसारकयन्त्राणां प्रयोगः (iv)..................भवतु' इति निश्चितं कर्त्तव्यम्।<br>• समये समये जलशुद्धिः (v)..................करणीया।<br><br>अव्ययाः [ अपि, ह्यः, मा, बहिः, तत्र ] | 5 |
| 10. | **अधोलिखितं संवादम् वाच्यानुसारम् उचितपदैः पूरयित्वा पुनः लिखत**<br><br>Fill in the blanks in the following dialogue and write the answers in the answer sheet only:<br><br>(i)..................<br>(ii)..................<br><br>(iii).................. | |
| 11. | **विद्यालयस्य सूचनापट्टे परीक्षायाः समयः दत्तः। कतिवादने किं भविष्यति इति संस्कृतेन लिखत** 1×4<br><br>Indicate the time for examination as shown on School's Notice Board in Sanskrit Words. | 4 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | प्रातः 9.45 छात्राः (i)...................परीक्षाकेन्द्रे उपस्थिताः भविष्यन्ति।<br>प्रातः 10.00 (ii)...................परीक्षाकक्षे प्रविष्टिः उत्तरपुस्तिका वितरणं च।<br>प्रातः 10.15 (iii)...................पठनार्थं प्रश्नपत्र–वितरणं भविष्यति।<br>प्रातः 10.30 (iv)...................परीक्षा प्रारब्धा भविष्यति सार्ध–एकवादने च समाप्ता भविष्यति। | |
| 12. | **अधोदत्तेषु वाक्येषु अङ्कानां स्थाने संस्कृतसंख्यावाचकविशेषणानि पूरयत** ½×4<br>निम्नलिखित वाक्यों में अङ्कों के स्थान पर संस्कृत के संख्यावाचक विशेषण लिखिए<br>Write numerical Sanskrit adjectives in place of figures in the following sentences.<br><br>मम गृहस्य समीपे (3)................. तरणतालाः सन्ति। तत्र (1).......................... तरणप्रतियोगिता आयोजिता अभवत्। प्रतियोगितायाम् अस्याम् (30).................... बालिकाः (45).................... बालकाः च भागं गृहीतवन्तः। | 2 |
| 13. | **अधोलिखितवाक्यानां संशोधनं कृत्वा वाक्यानि पुनः लिखत** 1×4<br>निम्नलिखित वाक्यों का संशोधन करके वाक्यों को पुनः लिखिए<br>Correct the following sentences and re-write them in the answer sheet.<br><br>मम विद्यालये सम्भाषण–शिविरस्य आयोजनम् <u>जातः</u> तत्र <u>ते</u> संस्कृतेन एव परस्परं सम्भाषणम् अकुर्म।<br>मम कक्षायाः <u>सर्वे</u> बालिकाः तत्र आगच्छन्। अस्माकं शिक्षकः अतीव <u>योग्याः</u> आसीत्। | 4 |

## खण्ड : घ

## (Section D) 35 अङ्काः

### पठित-अवबोधनम् ( पठित अवबोधन )

### Reading Comprehension

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| 14. | **अधोलिखितं गद्यांशं, पद्यांशं, नाट्यांशं च पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि उत्तरपुस्तिकायां लिखत**<br>निम्नलिखित गद्यांश, पद्यांश तथा नाट्यांश को पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखिए<br>Read the following prose, poetry and drama passages and answer the given questions in the answer sheet. | | |
| क. | **गद्यांशः**<br>राज्ञि एवं विचारयति सति तस्य दानशीलतां परीक्षितुं देवाधिपतिःशक्रः नेत्रहीनयाचकस्य रूपं धारयित्वा तत्पुरतः अवदत्-हे राजन्! भवतः दानवीरताम् आकर्ण्य आशान्वितः भवत्समीपम् आगतोऽस्मि। देव! रवि-शशि-तारामण्डलभूषितं जगत् एतत् कथमिव पश्येयम् चक्षुर्हीनः। राजा उवाच-भगवन्! भवन्मनोरथं पूरयित्वा आत्मानम् अनुगृहीतं कर्त्तुम् इच्छामि। आदिश्यताम्, किं करवाणि? विप्रः उवाच-यदि भवान् प्रीतः, तदा त्वत्तः एकस्य चक्षुषः दानम् इच्छामि येन मम लोकयात्रा निर्बाधा भवेत्। तत् श्रुत्वा राजा अचिन्तयत्, ''लोके चक्षुर्दानं दुष्करमेव। नूनम् ईदृशं दानम् इच्छन् अयं याचकः केनापि प्रेरितः स्यात्। अथवा भवतु नाम। किं बहुना चिन्तनेन।'' इति विचार्य राजा अभाषत - भो मित्र! किमेकेन चक्षुषा, अहं भवते चक्षुर्द्वयमेव प्रयच्छामि इति। राज्ञः नेत्र दानार्थं निश्चयं ज्ञात्वा अमात्याः विषण्णाः भूत्वा अवदन् - महाराज! अलम् एतावता दुस्साहसेन, प्रभूतं धनमेव दीयताम्।<br>**प्रश्नाः** | | |
| I | **एकपदेन उत्तरत**<br>एक शब्द में उत्तर दीजिए<br>Answer in one word.<br>I. लोके किम् दुष्करम्?<br>II. शक्रः कस्य दानवीरताम् श्रुत्वा आगतः? | ½×2 | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत।**<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।<br>Answer in a complete sentence.<br>I. शक्रः किमर्थं नेत्रहीनयाचकस्य रूपम् अधारयत्?<br>II. अमात्याः किमर्थम् विषण्णाः अभवन्? | 1×2 | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| III | **निर्देशानुसारम् उत्तरत।**<br>निर्देश के अनुसार उत्तर दीजिए।<br>Do as directed .<br>(i) 'मम लोकयात्रा निर्बाधा भवेत्' अत्र 'मम' सर्वनाम पदं कस्मै प्रयुक्तम्?<br>(ii) 'श्रुत्वा' इति पदस्य पर्याय-पदं गद्यांशात् चित्वा लिखत<br>(iii)'जगत्' इति पदाय प्रयुक्तं विशेषणपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत।<br>(iv)'अल्पम्' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं गद्यांशात् चित्वा लिखत। | ½×4 | 2 |
| ख. | **पद्यांशः**<br>असंशयं महाबाहो! मनो दुर्निग्रहं चलम्।<br>अभ्यासेन तु कौन्तेय, वैराग्येण च गृह्यते।। | | |
| I | **एकपदेन उत्तरत।**<br>एक शब्द में उत्तर दीजिए।<br>Answer in one word.<br>(i) मनः काभ्याम् गृह्यते?<br>(ii) 'महाबाहो!' इति कथयित्वा कः सम्बोध्यते? | ½×2 | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत।**<br>पूर्णवाक्य में उत्तर दीजिए।<br>Answer in a complete sentence.<br>(i) मनः कीदृशम् अस्ति?<br>(ii) मनः कथं वशीकर्तुम् शक्यते? | 1×2 | 2 |
| III | **निर्देशानुसारम् उत्तरत।**<br>निर्देश के अनुसार उत्तर दीजिए।<br>Do as directed.<br>(i) 'यस्य वशीकरणं कठिनम्' इति अर्थस्य समानार्थकं किं पदं पद्यांशे प्रयुक्तम्?<br>(ii) 'गृह्यते' इति क्रियापदस्य किं कर्तृपदम्?<br>(iii)'अनुरागेण' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं चित्वा लिखत। | ½×4 | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (iv) 'मन:' इति पदाय प्रयुक्तं किमपि विशेषणपदं चित्वा लिखत। | |
| (इ) | **नाट्यांश:** | |
| | काक: (प्रविश्य, सक्रोधम्) आ: किम् उक्तवती भवती? यदि अहं कृष्णवर्ण: तर्हि श्रीरामस्य वर्ण: कीदृश:? श्रीवासुदेवस्य वर्ण: कीदुश:? मुग्धे! अहं तु अतीव कर्तव्यपरायण:। प्रभाते 'का का' ध्वनिना सुप्तान् प्रबोधयामि कर्मसु च विनियोजयामि। | |
| | राजहंस: हुं किमनेन? एतत् कार्यं तु कुक्कुटोऽपि करोति। | |
| | काक: (विहस्य) कुक्कुट:। अरे अद्य कुत: कुक्कुटा: नगरेषु। अहमेव सर्वत्र सुलभ:। | |
| | राजहंस: भो: भो वाचाल! स्वीयै: कटुभि: क्वणितै: जनजागरणात् अन्यत् तु किमपि न करोषि। | |
| | काक: अहो! अज्ञानं भवत्या:। अरे! यस्य गृहस्य भित्तौ स्थित्वा आलपामि, जना: प्रियस्य आगमनसंकेतं मत्वा हृष्यन्ति। किं बहुना। अहम् तु एतादृश: सत्यप्रिय: यत् मातर: शिशून् कथयन्ति – ''अनृतं वदसि चेत् काक: दशेत्।'' अस्माकम् ऐक्यं तु जगत्प्रसिद्धम्। सर्वथा जागरूकोऽहम् छात्राणाम् कृते आदर्श: एव। किं न श्रुतं काकचेष्टा, बकध्यानम्........... | |
| | राजहंस: विरम विरम! श्रूयतां यत् जनै: सर्वदा गीयते तव विषये<br>काकस्य गात्रं यदि काञ्चनस्य,<br>माणिक्यरत्नं यदि चञ्चुदेशे।<br>एकैकपक्षे ग्रथितं मणीनां,<br>तथापि काको न तु राजहंस:।। | |
| | **प्रश्ना:** | |
| I | **एकपदेन उत्तरत** ½×2<br>एक ही शब्द में उत्तर लिखिए<br>Answer in one word only.<br>(i) केषाम् ऐक्यं जगत्प्रसिद्धम्?<br>(ii) काक: राजहंसीं किं कथयित्वा सम्बोधयति? | 1 |
| II | **पूर्णवाक्येन उत्तरत** 1×2<br>पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखें<br>Answer the following in one sentence. | 2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | (i) मातरः शिशून् किं कथयन्ति?<br>(ii) काकः प्रभाते किं करोति? | |
| III | **निर्देशानुसारम् उत्तरत** ½×4<br>निर्देश के अनुसार उत्तर लिखें<br>Do as directed.<br>(i) 'कटुभिः क्वणितैः' इति अनयोः पदयोः किं पदं विशेषणपदम्?<br>(ii) 'जनैः सर्वदा गीयते तव विषये' अत्र 'तव' इति पदं कस्मै प्रयुक्तम्?<br>(iii)'शरीरम्' इत्यर्थे संवादे किं समानार्थकं पदं प्रयुक्तम्?<br>(iv)'दुखिताः भवन्ति' इति पदस्य विपरीतार्थकं पदं संवादात् चित्वा लिखत। | 2 |
| 15. | **अधोलिखितपद्यद्वयस्य भावार्थम् उपयुक्तपदैः पूरयित्वा पुनः लिखत** 3+3<br>निम्नलिखित दो पद्यों के भावार्थों को उपयुक्त शब्दों से भरकर पुनः लिखिए<br>Complete the explanations of the following two stanzas and re-write them in the answer sheet: | 6 |
| I | क्रन्दनं वर्धते तस्य, नान्तं समधिगच्छति।<br>व्यसनं प्राप्य यो मोहात् केवलं परिदेवयेत्।।<br>**भावार्थः**<br>जीवने सुखानि दुःखानि च चक्रवत् परिवर्तन्ते। परं यः नरः (i)....................प्राप्य धैर्यं त्यजति (ii)....................च केवलं विलापं करोति तस्य (iii)....................एव वर्धते सः कदापि शान्तिं न प्राप्नोति। | |
| II | अस्त्रं ब्रह्मशिरो यत्र परमास्त्रेण वध्यते।<br>समाः द्वादश पर्जन्यस्तद् राष्ट्रं नाभिवर्षति।।<br>**भावार्थः**<br>ब्रह्मशिरः नाम अस्त्रं मानुषेषु कदापि प्रयुक्तं न करणीयम्। यतो हि यदि इदम् (i)....................परमास्त्रेण हन्यते तदा तस्मिन् (ii)...............द्वादशवर्षाणि यावत् (iii)................न अभिवर्षति। तत्र वर्षाभावे जीवनम् असम्भवम् जायते। | |
| 16. | **अधोलिखितपद्यद्वयस्य अन्वयौ पूरयित्वा पुनः लिखत** 1½+1½<br>निम्नलिखित दो पद्यों के अन्वयों को पूरा करके पुनः लिखिए | 3 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| | Complete and re-write the prose order renderings of the following two stanzas: | | |
| I. | शारदा शारदाम्भोजवदना वदनाम्बुजे।<br>सर्वदा सर्वदाऽस्माकं सन्निधिं सन्निधिं क्रियात्।।<br>**अन्वयः**<br>शारद – (i)...................वदना सर्वदा शारदा (ii)...................वदन–अम्बुजे सर्वदा सन्निधिम् (iii)...................निधिम् क्रियात्। | | |
| II. | अवक्रता यथा चित्ते तथा वाचि भवेद् यदि।<br>तदेवाहुः महात्मानः समत्वमिति तथ्यतः।।<br>**अन्वयः**<br>यथा अवक्रता चित्ते तथा (i)...................वाचि भवेत्, महात्मानः तथ्यतः (ii)...................समत्वम् (iii)...................आहुः। | | |
| 17. | **रेखाङ्कितपदानि आश्रित्य प्रश्न-निर्माणं कुरुत**<br>रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण कीजिए<br>Frame questions based on the underlines words.<br>(i) सूर्यस्य प्रकाशः सर्वप्रथमं अरुणाचलप्रदेशं स्पृशति।<br>(ii) ब्रह्मणः आयुः शतं वर्षाणि।<br>(iii) त्यागी सर्वव्यसनविनाशे दक्षः।<br>(iv) शिष्यः आचार्यात् पादम् आदत्ते। | 1×4 | 4 |
| 18. | **घटनाक्रमानुसारम् अधोलिखितवाक्यानि पुनः क्रमेण लिखत**<br>घटनाक्रम के अनुसार निम्नलिखित वाक्यों को पुनः क्रम से लिखिए<br>Re-write the following sentences in the sequential order.<br>(i) राजवैद्येन कपीनाम् मेदसा एव अश्वानाम् उपचारः कथितः।<br>(ii) प्रासादे बालवाहनयोग्यमेषेषु एकः जिह्वालोलुपः मेषः महानसं प्रविशति।<br>(iii) दग्धानाम् अश्वानां रक्षणाय राजा राजवैद्यम् प्रार्थयत्।<br>(iv) सूपकारैः नित्यं ताडितं मेषं दृष्ट्वा वानरयूथपः वानरान् प्रासादं त्यक्तुम् अकथयत्।<br>(v) राज्ञःचन्द्रस्य पुत्राः वानरयूथं भोज्यपदार्थैः भोजयन्ति स्म।<br>(vi) अवधीरिताः अस्माभिः गुरुजनोपदेशाः इति विचार्य कपयः पश्चात्तापम् अकुर्वन्। | ½×8 | 4 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | अंक |
|---|---|---|---|
| | (vii) वानराः रसनास्वादलोभेन तं प्रासादं न अत्यजन्। | | |
| | (viii) सूपकारैः अर्धज्वलितकाष्ठेन ताडितः मेषः अश्वशालां प्राविशत्। | | |
| 19. | **शब्दानाम् अर्थैः सह मेलनं क्रियताम्**<br>शब्दों का अर्थ के साथ मेलन कीजिए<br>Match the following meaning with the words : | ½×6 | 3 |

| | **खण्डः 'अ'** | | **खण्डः 'ब'** |
|---|---|---|---|
| (i) | विनीतस्य | (क) | स्वागतम् |
| (ii) | अवधीरणा | (ख) | मम |
| (iii) | विलीयते | (ग) | तिरस्कारः |
| (iv) | मदीयायाः | (ध) | शान्तम् कर्तुम् |
| (v) | अभिनन्दनम् | (ङ) | विनम्रस्य |
| (vi) | शमयितुम् | (च) | नश्यति |

# आदर्शसंस्कृतप्रश्नपत्रम् II

**कक्षा दशमी** | **कोडसंख्या 122**

**अवधि : होरात्रयम्** | **पूर्णाङ्काः 100**

**खण्ड : क - अपठित-अवबोधनम्**

**अस्मिन् खण्डे अनुच्छेदद्वयम् अस्ति ( 5+10 )**

**क I - प्रथम : अनुच्छेदः 50 शब्दपरिमितः ( 5 )**

| क्रमाङ्कः | उद्देश्यम् | प्रश्न-प्रकारः | अपेक्षित-उत्तराणि | अङ्कसङ्केतः | अंकविभागः |
|---|---|---|---|---|---|
| **प्र.सं.** | **प्रश्न** | | | | **अंक** |
| I | तथ्यबोध-परीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन उत्तरम् | (i) वाण्याः<br>(ii) मौनम् | I | 1/2<br>1/2 |
| II | तथ्यबोध-परीक्षणम् | लघूत्तरः पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) देवानां, मानवानां, किन्नराणां, पशुपक्षिणां वा प्राणशक्तिः सीमिता अस्ति। | | I |
| | | | (ii) भाषणं रजतवत् परं मौनं तु स्वर्णवदेव इति सत्यं कथितम्<br>(अर्धः अंकः शुद्धतथ्य-परीक्षणाय अर्धः अंकः च शुद्धवर्तनीकृते।) | 2 | I |
| III | भाषिकतत्त्व-परीक्षणम् | (i) समानार्थक-पदचयनम् | (i) रक्षणीया | | 1/2 |
| | | (ii) कर्तृपदचयनम् | (ii) अक्षयकोशः | | 1/2 |
| | | (iii) विशेषण | (iii) प्रथमं | | 1/2 |
| | | | किमपि एकम् | | |
| | | | अव्ययपदम् | | |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | (iv) | विपरीतार्थकपद-चयनम् | (iv) | सीमिता | 1/2 |
| | | | | 2 | |
| | | | | 5 | |
| 2 | द्वितीयः अनुच्छेदः 80-100 शब्दपरिमितः | | | (10) | |

| क्रमाङ्कः | उद्देश्यम् | प्रश्न-प्रकारः | अपेक्षित-उत्तराणि | | अङ्कसङ्केतः | अंङ्कविभागः |
|---|---|---|---|---|---|---|
| I | तथ्यबोध-परीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन | (i) | मस्तिष्कः | | 1/2 |
| | | | (ii) | परीक्षा | | 1/2 |
| | | | (iii) | परीक्षाम्बुधिम् | | 1/2 |
| | | | (iv) | अतिविचित्राणि | | 1/2 |
| | | | | | 2 | |
| II | तथ्यबोध-परीक्षणम् | विस्तृतोत्तरम् (पूर्णवाक्येन) | (i) | उत्तमाः छात्राः वर्षस्य प्रारम्भात् एव पठितस्य अभ्यासं कुर्वन्ति, कक्षायां दत्तावधानाः तिष्ठन्ति, सर्वं पाठ्यक्रमं पठित्वा परीक्षातः प्राक् पौनः पुन्येन अभ्यासं पुनरावृत्तिं चापि कुर्वन्ति। | 1+1 | 2 |
| | | | (ii) | अस्मिन्काले न निद्रैव आयाति, न च हृदयं धारयितुं शक्यते, बुभुक्षाऽपि च सम्यक्प्रकारेण नानुभूयते। अत्र एकः अङ्कः शुद्धतथ्यपरीक्षणाय एकः अङ्कः च शुद्धवर्तनीकृते। | 1+1 | 2 |
| | | | | | 4 | |
| III | भाषिक-तत्त्व-प्रयोग-परीक्षणम् | अतिलघूत्तरः | (i) कर्तृपदचयनम् | (i) परीक्षाकालः | | 1/2 |
| | | | (ii) सर्वनामस्थाने | (ii) छात्रेभ्यः | | 1/2 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | संज्ञा–प्रयोगः | |
| | (iii) विशेषणपदचयनम् (iii) परीक्षा | 1/2 |
| | (iv) विपरीतार्थकपदचयनम् (iv) ये | 1/2 |
| | 2 | |
| IV | शीर्षकप्रदानम् अतिलघूत्तरः परीक्षाकालः/ परीक्षाकाले छात्रेषु तनावः तस्योपायश्च/ परीक्षायाः भयम् अथवा अन्यत् किञ्चित् प्रसङ्गानुसारं उचितशीर्षकम् | 2 |
| | 2 | |
| | 10 | |

## खण्ड : 'ख' - रचनात्मकलेखनम् 5+5+10=20

अस्मिन् खण्डे त्रयः प्रश्नाः सन्ति। प्रथमे प्रश्ने लिखिते पत्रे मञ्जूषातः चित्वा विभिन्नरिक्तस्थानानां पूर्तिं कृत्वा पत्रं पुनः उत्तरपुस्तिकायां लेखनीयम्। प्रतिशुद्धरिक्तस्थानपूर्त्तिकृते अर्धः अङ्कः निर्धारितः।

क्रमाङ्कः उद्देश्यम् प्रश्न-प्रकारः अपेक्षित-उत्तराणि अङ्कसङ्केतः अंकविभागः

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| 3. | पत्रलेखने औपचारिककार्य-परिक्षणम् | यस्मात् नगरात् पत्रं प्रेषितं तस्य नाम। | 1. कालिकातातः | ½ | |
| | | सम्बोधनपदम् | 2. पितृमहाभागाः | ½ | |
| | | पत्रप्रेषकस्य पत्रप्राप्तिकर्त्रा सह सम्बन्धः। | 9. प्रियपुत्रः | ½ | |
| | | पत्रसङ्केते यत्र पत्रं प्रेष्यते तस्य स्थानस्य नाम | 10. चेन्नईनगरम् | ½ | 2 |
| | पत्रलेखने विषयवस्तु-बोधपरीक्षणम् | सन्दर्भानुकूल-विषयवस्तुज्ञानम् (रिक्तस्थानपूर्तिः) | 3. निवेदयामि | ½ | |
| | | | 4. उत्तरपत्राणि | ½ | |
| | | | 5. शरदवकाशे | ½ | |
| | | | 6. शैक्षिकयात्रायाः | ½ | |
| | | | 7. पच्चशतम् | ½ | |
| | | | 8. जनन्यै | ½ | 3<br>—<br>5 |
| 4. | अस्मिन् प्रश्ने प्रदत्तसंवादे सन्दर्भानुकूला रिक्तस्थानपूर्तिः अपेक्षिता। अत्र पञ्चरिक्तस्थानानि सन्ति। प्रतिशुद्धरिक्तकथनपूर्त्तिकृते एकः अङ्कः निर्धारितः। उत्तरसङ्केताः मञ्जूषातः एव ग्राह्याः - | | | | |
| | संवादे सन्दर्भानुकूलम् वाक्यप्रयोगपरीक्षणम् | रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) किमर्थं प्रातरुत्थाय भ्रमणार्थं गच्छसि? विद्यालयदिनेषु तु प्रातः उत्तिष्ठामः एव। | | 1 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | अद्यत्वे तु अहं यथेच्छां निद्रां करोमि। | | |
| | | | (ii) कथं प्रातर्भ्रमणं स्वास्थ्यलाभाय कल्पते? | | 1 |
| | | | (iii) किमर्थम् एषा अमृतवेला कथिता? | | 1 |
| | | | (iv) प्रातर्भ्रमणस्य अन्यः कः लाभः? | | 1 |
| | | | (v) त्वया तु मम नेत्रे अपि उन्मीलिते। श्वः आरभ्य अहमपि प्रातर्भ्रमणाय गमिष्यामि। | 5 | 1 |
| 5. | एषः प्रश्नः चित्रवर्णनसम्बद्धः। अस्मिन् प्रश्ने चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दसूचीसाहाय्येन पञ्चवाक्येषु वर्णनम् अपेक्षितम्। प्रतिवाक्यम् अङ्कद्वयं निर्धारितम्। | | | | |
| | अवबोधपूर्वकं वाक्यसंरचना<br>प्रयोगपरीक्षणम् | चित्रवर्णनार्थं वाक्यनिर्माणम् | छात्राः स्वतत्ररूपेण मञ्जूषातः शब्दान् चित्वा वाक्यनिर्माणं करिष्यन्ति।<br>(पञ्चवाक्यानि, प्रतिवाक्यम् एकः अङ्कः तथ्यार्थम्, एकः अङ्कः भाषा-प्रयोगाय। | 5x2 | 10 |

| प्र.सं. | प्रश्न | अंक |
|---|---|---|
| | प्रदत्तसंकेतान् आश्रित्य 'परिवारेण सह भ्रमणम्' इति विषये पञ्च-वाक्यलेखनम् अपेक्षितम्।<br>अवबोधपूर्वकं वाक्यनिर्माणम् छात्राः प्रदत्तशब्दसूची-<br>वाक्यसंरचना- साहाय्येन वाक्यानि<br>प्रयोगपरीक्षणम् लेखिष्यन्ति।<br>(पञ्चवाक्यानि प्रतिवाक्यम् एकः<br>अङ्कः तथ्यार्थम्,<br>एकः अङ्कः<br>भाषाप्रयोगाय) 5×2<br>20 | 10 |

## खण्ड : ग

## ( अनुप्रयुक्तव्याकरणम् )

अस्मिन् खण्डे भाषायाः व्यावहारिकप्रयोगः अपेक्षितः

| क्रमाङ्कः | उद्देश्यम् | प्रश्न–प्रकारः | अपेक्षित–उत्तराणि | अङ्कसङ्केतः | अंकविभागः |
|---|---|---|---|---|---|

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|
| 6. | वाक्येषु सन्धिः/ सन्धिच्छेद परीक्षणम् | अनुप्रयोगात्मकः रिक्तस्थानपूर्ति–माध्यमेन सन्धि–करणम्/सन्धिच्छेदः वा बोधपरकः अतिलघूत्तरः | (i) सृष्टिरेषा<br>(ii) प्रिय+छात्राः<br>(iii) गुरौ+आगते | 3 | 1<br>1<br>1 |
| 7. | वाक्येषु समस्त–पदानां विग्रहः। असमस्तपदानां समसनम् इति दक्षता परीक्षणम् | वाक्येषु रेखाङ्कित–पदानां विग्रहः/ समसनम् | (i) उपगङ्गम्<br>(ii) केकायाः रवम्<br>(iii) बहूनिफलानि यस्मिन् सः (वृक्षः)<br>(iv) न कार्यम् | 4 | 1<br>1<br>1<br>1 |
| 8. | वाक्येषु कृदन्त/ तद्धितप्रत्ययानां प्रयोग–परीक्षणम् | प्रकृतिप्रत्ययौ संयोज्य/पृथक् कृत्वा वाक्य–सन्दर्भानुसारं रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) समाज+ठक्<br>(ii) क्रोधिनः<br>(iii) चक्षुष्+मतुप्<br>(iv) रक्षणीयाः<br>(v) द्रष्टव्या | 5 | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |
| 9. | वाक्येषु अव्यय–पद–प्रयोग–परीक्षणम् | बोधपरकः वाक्येषुरिक्त–स्थानेषु उचित–अव्ययप्रयोगेण वाक्ययोजनम् | (i) ह्यः<br>(ii) तत्र<br>(iii) बहिः<br>(iv) मा<br>(v) अपि | 5 | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 10. | संवादे वाच्य-प्रयोग परीक्षणम् | रिक्तस्थानेषु अपेक्षितकर्तृ-कर्म-क्रियापदैः रिक्तस्थानपूर्तिः | (i)<br>(ii)<br>(iii) | अभिलष्यते<br>कार्याणि<br>वयम् | 3 | 1<br>1<br>1 |
| 11. | घटिकां दृष्ट्वा संस्कृतेन समय-लेखन परीक्षणम् | वाक्येषु समयद्योतकैः पदैः रिक्त-स्थानपूर्तिः | (i)<br>(ii)<br>(ii)<br>(iv) | पादोनदशवादने<br>दशवादने<br>सपाददशवादने<br>सार्धदशवादने | 4 | 1<br>1<br>1<br>1 |
| 12. | संख्यावाचक-पद-प्रयोग-परीक्षणम् | अङ्कानां स्थाने वाक्येषु संस्कृत-पदैः रिक्तस्थान-पूर्तिः | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv) | त्रयः<br>एका<br>त्रिंशत्<br>पञ्चचत्वारिंशत् | 2 | 1/2<br>1/2<br>1/2<br>1/2 |
| 13. | वाक्यसंरचनायां शुद्ध-लिङ्ग-वचन क्रिया पद प्रयोग-परीक्षणम् | लिखितेषु वाक्येषु रेखाङ्कित-पदेषु अशुद्धिः-संशोधनम् | (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv) | जातम्<br>वयम्<br>सर्वाः<br>योग्यः | 4 | 1<br>1<br>1<br>1 |
| | | | | योग | 30 | |

# खण्डः 'घ'

## ( पठित-अवबोधनम् )

अस्मिन् खण्डे सर्वे प्रश्नाः पाठ्यपुस्तकम् (मणिका भाग : ।I) संशोधितसंस्करणम् आधारिताः।

क्रमाङ्कः | उद्देश्यम् | प्रश्न-प्रकारः | अपेक्षित-उत्तराणि | अङ्कसङ्केतः | अंकविभागः

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 14. | (अ) पठितगद्यांश-बोधपरीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन उत्तरम् | (i) | चक्षुर्दानम् | | 1/2 |
| | | | (ii) | राज्ञः | | 1/2 |
| | | | | | 1 | |
| | | पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) | शक्रः राज्ञः दानशीलतां परीक्षितुं नेत्रहीनयाचकस्य रूपम् अधारयत् | | 1 |
| | | | (ii) | राज्ञः नेत्रदानार्थं निश्चयं ज्ञात्वा अमात्याः विषण्णाः अभवन्। | 2 | 1 |
| | भाषिक-तत्त्व-बोध-परीक्षणम् | सर्वनामस्थानेसंज्ञा पद-चयनम् | (i) | शक्राय/ (नेत्रहीन विप्राय) | | 1/2 |
| | | पर्यायपदचयनम् | (ii) | आकर्ण्य | | 1/2 |
| | | विशेषणपदचयनम् | (iii) | रविशशितारामण्डल-भूषितम्/एतत् | | 1/2 |
| | | विपरीतार्थकपद चयनम् | (iv) | प्रभूतम् | 2 | 1/2 |
| | | | | | 5 | |
| | पठितपद्यांश-बोधपरीक्षणम् | अतिलघूत्तरः एकपदेन | (i) | अभ्यासवैराग्याभ्याम् | | 1/2 |
| | | | (ii) | अर्जुनः | | 1/2 |
| | | | | | 1 | |
| | | पूर्णवाक्येन उत्तरम् | (i) | मनः दुर्निग्रहम् चलं च अस्ति। | | 1 |
| | | | (ii) | मनः अभ्यासेन वैराग्येण | | 1 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | च वशीकर्तुं शक्यते | 2 | |
| | भाषिकतत्त्व-बोध | समानार्थक-पदचयनम् | (i) | दुर्निग्रहम् | | 1/2 |
| | परीक्षणम् | भाववाच्येकर्तृपदचयनम् | (ii) | मनः | | 1/2 |
| | | विपरीतपदचयनम् | (iii) | वैराग्येण | | 1/2 |
| | | विशेषणपदचयनम् | (iv) | दुर्निग्रहम्/चलम् | | 1/2 |
| | | | | | 2 | |
| | | | | | 15 | |
| | पठितनाट्यांश- | I अतिलघूत्तरः | (i) | काकानाम् | | 1/2 |
| | बोधपरीक्षणम् | एकपदेन उत्तरम् | (ii) | मुग्धे! | | 1/2 |
| | | | | | 1 | |
| | | I लघूत्तरः (पूर्णवाक्येन उत्तरम्) | (i) | मातरः शिशून् कथयन्ति-‘‘अनृतं वदसि चेत् काकः दशेत्।’’ | | 1 |
| | | | (ii) | काकः प्रभाते ‘का-का’ ध्वनिना सुप्तान् प्रबोधयति कर्मसु च विनियोजयति | | 1 |
| | | | | | 2 | |
| | भाषिकतत्त्वबोध | (i) विशेषणपदचयनम् | (i) | कटुभिः | | 1/2 |
| | परीक्षणम् | (ii) सर्वनामस्थाने संज्ञापदचयनम् | (ii) | काकाय | | 1/2 |
| | | (iii) समानार्थक-पद-चयनम् | (iii) | गात्रम् | | 1/2 |
| | | (iv) विपरीतार्थक-पद-चयनम् | (iv) | हृष्यन्ति | 2 | 1/2 |
| | | | | | 5 | |
| 15. | भावार्थबोध-परीक्षणम् | (i) प्रदत्तेषु भावार्थेषु रिक्तस्थानपूर्तिः | (i) | व्यसनम् | | 1 |
| | | | (ii) | मोहात् | | 1 |

| प्र.सं. | प्रश्न | | | | | | अंक |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | (iii) | क्रन्दनम् | | 1 |
| | | | | | | 3 | |
| | | (ii) | प्रदत्तेषु भावार्थेषु | (i) | अस्त्रम् | | 1 |
| | | | रिक्तस्थानपूर्तिः | (ii) | राष्ट्रे | | 1 |
| | | | | (iii) | पर्जन्यः | | 1 |
| | | | | | | 3 | |
| 16. | पद्यांशस्य | (i) | प्रदत्ते अन्वये | (i) | अम्भोजवदना | | 1/2 |
| | | | श्लोक पठित्वा | (ii) | अस्माकम् | | 1/2 |
| | | | रिक्तस्थानपूर्तिः | (iii) | सत् | | 1/2 |
| | | (ii) | प्रदत्ते अन्वये | (i) | यदि | | 1/2 |
| | अन्वयपरीक्षणम् | | श्लोकं पठित्वा | (ii) | तदेव | | 1/2 |
| | | | रिक्तस्थानपूर्तिः | (iii) | इति | | 1/2 |
| 17. | प्रश्ननिर्माण– | | प्रदत्तकथनेषु | (i) | कम् | 3 | 1 |
| | कौशल–परीक्षणम् | | स्थूलपदानि | (ii) | कति | | 1 |
| | | | आधृत्य | (iii) | कः | | 1 |
| | | | प्रश्ननिर्माणम् | (iv) | कस्मात् | | 1 |
| | | | अर्धाङ्कः शुद्धप्रश्नवाचक–सर्वनामकृते | | | 4 | |
| | | | अर्धाङ्कः च प्रश्नवाचकचिह्नकृते | | | | |
| 18. | तर्कपूर्णघटनाक्रम– | | प्रदत्त– | | V, II, IV, VII | ½×8 | |
| | संयोजनपरीक्षा | | घटनानाम् | | VIII, III, I, VI | | |
| | | क्रमनिर्धारणम् | | | | | 4 |
| 19. | शब्दार्थबोध– | शब्दानाम् अर्थैः | | (i) | विनम्रस्य | | 1/2 |
| | परीक्षणम् | सह उचितं मेलनम् | | (ii) | तिरस्कारः | | 1/2 |
| | | | | (iii) | नश्यति | | 1/2 |
| | | | | (iv) | मम | | 1/2 |
| | | | | (v) | स्वागतम् | | 1/2 |
| | | | | (vi) | शान्तम् कर्त्तुम् | | 1/2 |
| | | | | | | 3 | |
| | | | | | | 35 | |